हरिभूमि
रायपुर भूमि

हॉल्ट स्टेशनों पर उबल रहे यात्री, पानी तक नहीं, मंदिर हसौद में शेड नहीं लगा, सीढ़ियों पर ट्रेन की प्रतीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

गर्मी के तेवर तीखे होने के साथ एक बार फिर ट्रेन का सफर यात्रियों के लिए मुश्किल हो गया है। इस तेज गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पानी बेहद जरूरी है, लेकिन रेलवे के हॉल्ट स्टेशनों में यात्रियों को पीने का पानी भी नसीब नहीं हो रहा है। 41 डिग्री से अधिक के इस तापमान में यात्रियों को पीने का पानी स्टेशन के बाहर दुकानों से खरीदना पड़ रहा है। हरिभूमि की टीम ने रायपुर से ▶▶|शेष पेज 6 पर

गर्मी से पहले स्टेशन में नहीं लग पाया शेड

अमृत भारत स्टेशन योजना के जरिए मंदिर हसौद स्टेशन को संवारा जा रहा है, लेकिन स्टेशन में निर्माण कार्य बेहद सुस्त है। यही वजह है कि प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के इंतजार करने के लिए शेड की सुविधा भी नहीं है। यात्री बिना पंखे के फुट ओवर ब्रिज की सीढ़ियों पर बैठकर अपनी ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि मंदिर हसौद में रोजाना 600 से अधिक यात्रियों की आवाजाही रहती है। आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें प्लेटफॉर्म एक से गुजरती हैं, लेकिन यात्रियों को यहां केवल पानी की सुविधा मिल रही है। तेज धूप में छांव पाने के लिए शेड नहीं है। स्टेशन में 5 से अधिक नए शेड लगने हैं, लेकिन काम सुस्त होने के कारण गर्मी से पहले एजेंसी ने यह कार्य पूरा नहीं किया है। इस वजह से यात्रियों को भारी दिक्कत हो रही है।

नल लगा दिया, लेकिन नहीं हो रही पानी की सप्लाई

डब्लूआरएस हॉल्ट स्टेशन में यात्रियों को पानी बाहर से खरीदकर पीना पड़ रहा है। यहां दिनभर में आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें रुकती हैं, जिससे 400 से अधिक यात्रियों की आवाजाही होती है। यहां रेलवे की ओर से लगाया गया पंखा चल तो रहा था, लेकिन पीने का पानी उपलब्ध नहीं था। स्टेशन में नल लगा हुआ है, लेकिन पानी की सप्लाई बंद है। गर्मी से पहले रेलवे प्रशासन की तैयारी अधूरी है, जिसके कारण यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।

पानी और पंखे की सुविधा भी नदारद

सरस्वती नगर हॉल्ट स्टेशन में यात्रियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था अभी तक नहीं हो पाई है। रेलवे की ओर से यहां कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की गई है। जब हरिभूमि की टीम स्टेशन पहुंची तो प्लेटफॉर्म-2 पर लगे चारों पंखे बंद मिले। वहीं, प्लेटफॉर्म-1 पर पंखे की सुविधा ही नहीं है। स्टेशन पर यदि किसी यात्री को प्यास लगे, तो उसे दुकान से पानी खरीदकर ही पीना पड़ेगा।

उत्तर-पश्चिमी हवा से झुलसा छत्तीसगढ़, महिला ने लू से गंवाई जान, 44 पर नांदगांव का पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- विधानसभा थाना क्षेत्र में मिली महिला की लाश, पुलिस को गर्मी से मौत का शक

उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही गर्म हवा ने छत्तीसगढ़ को झुलसाकर रखा दिया है। लगातार छह दिन से तापमान के चालीस डिग्री से पार होने की वजह से भीषण गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। विधानसभा थाना क्षेत्र के बुरकोनी गांव में 40 साल की विक्षिप्त महिला की लू से मौत होने की आशंका जताई गई है। इधर मध्य इलाके में अगले तीन-चार दिनों तक गर्मी से राहत नहीं मिलने की आशंका है।

बादल-बारिश के बाद अप्रैल में गर्मी ने प्रदेश में अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। खासकर रायपुर समेत मध्य इलाका गर्मी की चपेट में आ चुका है। सुबह दिन चढ़ने के साथ गर्मी अपना असर दिख रही है, जिससे देर रात होने के बाद ही राहत मिल रही है। पिछले तीन दिन से तो रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव के क्षेत्र लू की चपेट में है। सुबह 11 बजने तक 37 डिग्री तक पहुंचने वाला तापमान दोपहर तीन बजे तक 43-44 डिग्री तक पहुंच जा रहा है। शुक्रवार को त्वचा में जलन महसूस कराने वाले गर्मी ने लोगों को घर-दफ्तर के भीतर दुबकने को मजबूर कर दिया। शुक्रवार को राजनांदगांव का अधिकतम तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया। रायपुर में 42.8 डिग्री का पारा होने के बाद भी गर्मी ने अपना कहर बरपाने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। दोपहर होने के बाद सड़कों पर आवाजाही करने वाले लोग हेलमेट लगाने और स्कार्फ से लिपटे नजर आए। विधानसभा थाना क्षेत्र के गांव यानी राजधानी के आउटर में एक विक्षिप्त महिला की भारी गर्मी की वजह से मौत हो गई।

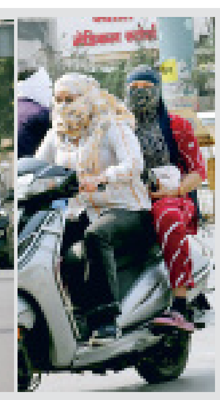

खंडहरनुमा मकान में लाश

विधानसभा थाना के ग्राम बुरकोनी के खंडहरनुमा मकान में लगभग 40 वर्षीय महिला की लाश मिली। गांव वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस को पूछताछ में पता चला कि वह विक्षिप्त थी और गांव में घूमती थी। आशंका जताई जा रही है कि पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी की वजह से उसे लू लगी थी और इलाज नहीं होने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट से मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

राहत के अभी आसार नहीं

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि झुलसाने वाली गर्मी से अभी रात मिलने के आसार नहीं है। महाराष्ट्र के ऊपर एक प्रति चक्रवात बना हुआ है जो उत्तर-पश्चिम की गर्म हवा को लगातार छत्तीसगढ़ की तरफ खींच रहा है। इसका ज्यादा असर रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के मैदानी इलाकों में हो रहा है। अगले चौबीस घंटे में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने और अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। मध्य भाग में ग्रीष्म लहर जैसी स्थिति बनी रहेगी और बस्तर संभाग के दक्षिणी हिस्से में गरज-चमक हो सकती है।

पांच दिन से प्रदेश में गर्मी

तारीख	रायपुर	प्रदेश में सर्वाधिक तापमान
17	42.8	44 राजनांदगांव
16	43.0	43.5 राजनांदगांव
15	41.7	43.0 राजनांदगांव
14	41.2	41.2 रायपुर
13	40.6	42.0 राजनांदगांव
12	41.0	41.0 रायपुर

विंग कमांडर की खुदकुशी पत्नी के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का केस दर्ज

एयरफोर्स के विंग कमांडर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र की विधायक कालोनी में विंग कमांडर विपुल यादव की खुदकुशी प्रकरण में पुलिस ने मृतक की पत्नी अर्जिता श्रीवास्तव के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का आपराध दर्ज किया है। आरोप है कि पत्नी की शारीरिक मानसिक प्रतड़ना से परेशान होकर विंग कमांडर ने फांसी लगाकर खुदकुशी की थी।

विंग कमांडर ने 10-11 मार्च को खुदकुशी की थी। विंग कमांडर की लाश सबसे पहले घर में काम करने आने वाली बाई ने देखी। काम करने वाली बाई विंग कमांडर को चाय ▶▶|शेष पेज 6 पर

मारपीट और पैसे की मांग करने का आरोप

मृतक के परिजनों ने पुलिस को सीडी और अन्य साक्ष्य भी सौंपे हैं, जिसमें मृतक की पत्नी द्वारा मारपीट करने और अपमानजनक व्यवहार करने के वीडियो साक्ष्य के रूप में दिए जाने की जानकारी मिली है। आरोप है कि अर्जिता श्रीवास्तव ने बेंगलुरु में प्रापर्टी खरीदने के लिए मृतक पर दबाव बनाया और उनसे करीब 50 लाख रुपए भी लिए। इसके बावजूद अर्जिता पर मृतक के परिजनों ने प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि आत्महत्या से पहले विपुल यादव ने अपनी पत्नी को कई बार फोन किया, लेकिन काल रिसीव नहीं किया ▶▶|शेष पेज 6 पर

सेकण्ड्स डिफेक्टिव गारमेंट्स
सेल बाजार
Managed by Shubham K Mart Pvt. Ltd.
सुराना भवन
छोटापारा, रायपुर में
साड़ियाँ, सलवार सूट, सूटपीस, रेडीमेड (हर उम्र के लिये)
हैण्डलूम आयटम एवं गृह उपयोगी सामान
स्पेशल आकर्षण
साड़ियाँ ₹65 से ₹399 तक
सलवार सूट सूटपीस ₹100 से ₹400 तक
कुर्तियाँ ₹75 से ₹350 तक
रेडीमेड्स मेन्स, किड्स एवं गर्ल्स ₹35 से ₹300 तक
मेन्स वियर ₹65 से ₹350 तक
हैण्डलूम आयटम मिक्स ₹10 से ₹500 तक
सभी आयटम औने पौने भाव में
सिर्फ सेकण्ड्स एवं डिफेक्टिव आयटम
ना ऐसा भाव सुना होगा ना देखा होगा
*condition apply
सेल सीमित समय के लिये सेल की हर आयटम का रेट अपने आप में आकर्षण है अवश्य पधारें...
सुराना भवन, छोटापारा रोड, H.P. गैस एजेंसी के सामने, रायपुर

खबर संक्षेप

सकरी में बाबा साहेब की जयंती मनाई गई

मंदिर हसौद। ग्राम पंचायत सकरी के स्कूल प्रांगण में भारत रत्न से सम्मानित संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया , इस अवसर पर डॉ साहब के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया और उनके आदर्शों को भी याद किया जहां बाबा साहेब ने समाज को समता समानता. और शिक्षा के अधिकार का जो मार्ग दिखाया है वह आज भी हम सभी के लिए प्रेणादायक है वही ग्रामीणों ने उनके योगदान को याद करते हुए रैली निकाला गया व खीर पूरी प्रसाद वितरण किया।इस कार्यक्रम में रायपुर कृषि उपज मंडी के पूर्व अध्यक्ष व गुरु अमर दास सतसंग समिति के अध्यक्ष नारायण कुर्रे. सरपंच प्रतिनिधि प्रशान्त कुर्रे. मंडल अध्यक्ष रंजीत गायकवाड़. तिहारू सिन्हा. जागेश्वर कुर्रे. ग्राम अध्यक्ष केवल बारले. संतराम नारंग. अखाड़ा दल के अध्यक्ष दुखु राम जांगड़े. पूनम लहरे. दीपेश जांगड़े अमित कुमार. पंच महेंद्र गेन्द्रे.नीलकंठ निषाद. खेम सिन्हा. सजनी लहरे. उमेश गेन्द्रे. नेहा. राजेश जांगड़े. अरुण लहरी. शिव कुमार. हजारी. ईश्वर दिवाकर. मोगरा पाल अलका कुर्रे. लष्मी नारायण दिवाकर. धनेश्वरी गेन्द्रे.नंद किशोर पाल.संतु नारंग जयचंद. डोमार दास प्रकाश कौशिक.व समस्त ग्राम वासी उपस्थित थे।

संविधान और बाबा साहब के संघर्षों से मिला सबको समान अधिकार : इन्द्रकुमार साहू

अभनपुर।ग्राम खण्डवा में डॉ. भीम राव अंबेडकर सेवा समिति के तत्वावधान में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर समिति द्वारा ग्राम पंचायत खण्डवा के विभिन्न समाजों के प्रमुखों का सम्मान कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक इंद्रकुमार साहू उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब के संविधान और उनके संघर्षों के कारण ही आज सभी वर्गों को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में विशेष रूप से जनपद सदस्य संतु साहू, राजू तरवानी (पूर्व सभापति), सरपंच सुशीला जगदीश भारती, उपसरपंच गप्पू वर्मा, मंडल अध्यक्ष भरत बैंस, सरपंच गौरव शर्मा,समिति अध्यक्ष कुबेर भारती, संजय मिश्रा, सूरज मंडल, मुकेश ढिढी, तिलक बारले, खिरदास, अजय भारती, भूपेश बारले, मनशुखा, ओमदत्त, हरी पटेल, मनोहर भारती, जगदीश भारती, यशवंत कुर्रे, महेंद्र भारती, आलोक, हेमलाल पटेल, हरी ध्रुव, नरेंद्र साहू, बलराम, छवि, लेखु आदिल, वेद, लक्ष्मी वर्मा, सबीना आदिल, रोहानी पुरेना, उमा यादव, रानी बंदे, शुभम, चांद, हेमंत, उमेश, प्रीतम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शिवांश इंटरनेशनल स्कूल के समर कैंप फन विथ साइंस का आकर्षण

कैलीग्राफी, लाइफ स्किल और ब्रेन डेवलपमेंट के साथ हुए विविध कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

नगर पंचायत कुंवरगढ़ कुंरा स्थित प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान शिवांश इंटरनेशनल स्कूल में ग्रीष्मकालीन अवकाश के उत्साह को दोगुना करने के लिए 16 अप्रैल से भव्य 'समर कैम्प' की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या सुश्री हिमांशी शर्मा ने किया। प्री-प्राइमरी के नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ उनके शारीरिक, मानसिक और चारित्रिक गुणों का सर्वांगीण विकास करना है।

समर कैम्प के पहले ही दिन बच्चों और पालकों के बीच अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला।

छुटियों का हो रहा सदुपयोग

इस अवसर पर प्राचार्या सुश्री हिमांशी शर्मा ने कहा, शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक शिक्षा वह है जो बच्चे के भीतर छिपी प्रतिभा को बाहर लाए। इस समर कैम्प का आयोजन इसी ध्येय के साथ किया गया है कि बच्चे छुट्टियों के समय का सदुपयोग करते हुए नई विधाएं सीखें। विशेष बात यह है कि इस समर कैम्प में केवल विद्यालय के छात्र ही नहीं, बल्कि आसपास के अंचल से भी बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हो रहे हैं। रीडिंग और राइटिंग स्किल सुधारने के लिए भी विशेष सत्र चलाए जा रहे हैं।

आधुनिक युग की जरूरतों को देखते हुए शिविर में मार्शल आर्ट, 'फन विथ साइंस' के अंतर्गत रोचक प्रायोगिक परीक्षण, कैलीग्राफी, लाइफ स्किल और ब्रेन डेवलपमेंट जैसी विशेष विधाओं को शामिल किया गया है।

इसके अलावा बच्चों के बौद्धिक कौशल को धार देने के लिए वैदिक मैथ्स और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने हेतु स्पोकन इंग्लिश एवं पर्सनालिटी डेवलपमेंट की कक्षाएं विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। खेलकूद के प्रति रुचि रखने वाले बच्चों के लिए स्पोर्ट्स और योग की व्यवस्था की गई है, वहीं कला प्रेमियों के लिए आर्ट, ड्राइंग, पेंटिंग और पारंपरिक पॉटरी (मिट्टी शिल्प) के सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

बैठक : विधायक ने विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों की मैराथन बैठक ली

एसी कमरों से निकलकर अफसर धरातल पर पसीना बहाएं : अनुज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा\कूंरा

क्षेत्रीय विकास की सुस्त पड़ती रफ्तार और सरकारी दफ्तरों की कार्यप्रणाली को लेकर धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा ने बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया है। विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ आयोजित मैराथन समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेताया कि अब 'कुर्सी तोड़' अफसरशाही नहीं चलेगी, अधिकारियों को दफ्तरों के वातानुकूलित कमरों के मोह से बाहर निकलकर धरातल पर पसीना बहाना होगा ताकि शासन की योजनाओं की चमक अंतिम व्यक्ति के चेहरे पर दिखाई दे इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार विश्वरंजन सहित सभी विभाग के प्रमुख अफसर विशेष रूप से उपस्थित थे।

शुक्रवार को जनपद पंचायत धरसींवा की बैठक हाल में हुई बैठक की शुरुआत से ही विधायक शर्मा के तेवर तल्ख थे। उन्होंने एक-एक कर लोक निर्माण विभाग , विद्युत मंडल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों का कच्चा चिट्ठा खंगाला। श्री शर्मा ने अधिकारियों को झकझोरते हुए कहा कि मेज पर पड़ी हर फाइल महज एक कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि किसी ग्रामीण की उम्मीद और उसकी बुनियादी समस्या है।

विकास और जनसेवा का संकल्प लें

मीडिया से चर्चा करते हुए अनुज शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही वास्तविक स्वामी है। यह समीक्षा बैठक केवल फाइलों के लेन-देन का औपचारिक हिस्सा नहीं है, बल्कि यह उन अधिकारियों के लिए आत्म-मंथन का अवसर है जो जनसेवा के संकल्प को भूल चुके हैं। उन्होंने एक सकारात्मक लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि वह अगली बैठक समस्याओं की फेहरिस्त पर नहीं, बल्कि 'सफलता की कहानियों पर करना चाहते हैं।

लंबित कार्यों पर मांगी रिपोर्ट, सुस्ती अधिकारियों पर गिरेगी गाज : समीक्षा के दौरान विधायक ने लंबित कार्यों पर विस्तृत 'एक्शन टेकन रिपोर्ट' तलब की। उन्होंने उन फाइलों पर गहरी नाराजगी जताई जो महीनों से तकनीकी अड़चनों या विभागीय सुस्ती के कारण धूल फांक रही हैं। विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर उन्होंने लक्ष्मण रेखा खींचते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर किया गया भ्रष्टाचार या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो अधिकारी जनता के प्रति अपनी जवाबदेही भूल चुके हैं, उनके खिलाफ अब सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की गाज गिरना तय है।

बैठक के अंत में विधायक ने सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाते हुए कुंवरगढ़ महोत्सव के ऐतिहासिक और सफल आयोजन के लिए जिला पंचायत सीईओ कुमार विश्वरंजन, जनपद पंचायत सीईओ आशीष केशरवानी, तहसीलदार बाबूलाल कुर्रे सहित अन्य अधिकारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष शकुंतला ढीलेंद्र सेन, उपाध्यक्ष दिनेश खूटे और कुंरा सीएमओ दीपक शर्मा समेत कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोल्हान नाला सूखके से कई गांवों में निस्तारी जल संकट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरपोंगी

क्षेत्र के दर्जनों गांवों के 'जीवनरेखा' माने जाने वाला 'कोल्हान नाला' भीषण गर्मी के चलते पूरी तरह सूख चुका है। जिससे निस्तारी की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा ने प्रशासन से शीघ्र ही पानी छोड़ने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि, भीषण गर्मी और तेजी से गिर रहे वाटर लेवल से नदी-नाले सूख रहे हैं। तालाबों में धुल उड़ रहें हैं तो नलकूपों के हलक सूख गए हैं। तरपोंगी, तिल्दा और धरसींवा क्षेत्र का 'लाइफलाइन' माने जाने वाला कोल्हान नाला भी भीषण गर्मी के चलते पूरी तरह सूख चुका है। कहीं-कहीं नाम मात्र का ही पानी शेष रह गया है। पूरे बारह महीने पानी से लबालब रहने वाला कोल्हान का कंठ सूख रहा है। ऐसे में आज भी इसके पानी पर निर्भर दर्जनभर से भी ज्यादा गांवो के ग्रामीणों के माथे पर बल पड़ने लगा है।

क्योंकि रबी सीजन में यह सिचाई का सबसे बड़ा और प्रमुख साधन माना जाता है। बताते चलें कि, प्रचंड धूप और गर्मी से सूख चुके नाले पर सिचाई और निस्तारी के लिए धरसींवा-तिल्दा के दर्जनों गांव के लोग आज भी आश्रित है।

जनप्रतिनिधियों ने की पानी छोड़ने की मांग : लंबे मांग के बाद महानदी परियोजना अंतर्गत भाटापारा शाखा नहर में गंगरेल बांध से पानी तो छोड़ दी गई हैं। लेकिन कोल्हान नाले में अभी भी पानी नहीं छोड़ा गया है। जिससे क्षेत्र के लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

निशुल्क लीवर जांच शिविर में 100 से अधिक मरीज हुए लाभान्वित

हरभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा शहर के खुशी हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा जनस्वास्थ्य के प्रति सराहनीय पहल करते हुए शुक्रवार को अस्पताल परिसर में एक दिवसीय निःशुल्क लीवर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 100 से अधिक मरीजों ने अपने लीवर की जांच करवाई और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी परामर्श प्राप्त किया। खास बात यह रही कि शिविर के औपचारिक शुभारंभ से पहले ही बड़ी संख्या में लोग जांच कराने के लिए अस्पताल पहुंचने लगे थे, जिससे आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता साफ झलकती है।अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि आमतौर पर लीवर की विस्तृत जांच, विशेषकर फाइब्रोस्कैन जैसी आधुनिक जांच के लिए मरीजों को 4 से 5 हजार रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं। आर्थिक कारणों से कई जरूरतमंद

■ महंगी जांच अब मुफ्त में संभव

लोग यह जांच नहीं करा पाते, जिससे बीमारी का समय पर पता नहीं चल पाता। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए खुशी हॉस्पिटल द्वारा यह निःशुल्क शिविर आयोजित किया गया, ताकि हर वर्ग के लोगों को समय रहते जांच और उपचार का लाभ मिल सके ।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि लीवर शरीर का दूसरा सबसे बड़ा और अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है, जो पाचन क्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के साथ-साथ शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने, संक्रमण से लड़ने, प्रोटीन निर्माण करने और पित्त (बाइल) बनाने का कार्य करता है। बावजूद इसके, अधिकांश लोग लीवर स्वास्थ्य को लेकर जागरूक नहीं हैं।

अस्पताल के संचालक डॉ. भोजराज मोहनानी ने कहा कि लीवर से जुड़ी बीमारियां अक्सर शुरुआती चरण में बिना किसी स्पष्ट लक्षण के बढ़ती रहती हैं, जिससे समय पर पहचान नहीं हो पाती। ऐसे में नियमित स्क्रीनिंग बेहद जरूरी है, ताकि बीमारी का प्रारंभिक अवस्था में ही पता लगाकर उचित उपचार किया जा सके। शिविर के दौरान मरीजों को न केवल जांच की सुविधा दी गई, बल्कि उन्हें लीवर को स्वस्थ रखने के उपाय, संतुलित आहार, नशे से दूरी और नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति भी जागरूक किया गया।

मंदिरहसौद में साफ-सफाई बेपटरी पार्षद ने ट्रैक्टर से उठवाया कचरा

हिरभूमि न्यूज ▶▶| मंदिरहसौद

नगर पालिका परिषद मंदिर हसौद में इन दिनों मूलभूत सुविधाओं का बुरा हाल है। स्वच्छता के दावों की पोल खोलती एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फंड के अभाव में नगर की नियमित सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नौबत यहाँ तक आ पहुंची है कि वार्डों में कचरे का अंबार लगा है और जन आक्रोश को देखते हुए पार्षद को स्वयं के निजी ट्रैक्टर से कचरा उठवाना पड़ रहा है।बताया जा रहा है कि नगर पालिका के पास वर्तमान में सफाई कार्यों के संचालन के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध नहीं है। इसके चलते नियमित कचरा संग्रहण का कार्य बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब प्रशासन के पास बुनियादी कार्यों के लिए ही बजट नहीं है, तो

विकास के अन्य दावों का क्या आधार है? नगर की चरमराई व्यवस्था को देखते हुए स्थानीय पार्षद ने अपनी जवाबदेही समझते हुए निजी संसाधनों का उपयोग शुरू किया है। पार्षद द्वारा अपने निजी ट्रैक्टर के माध्यम से मोहल्लों से कचरा उठवाया जा रहा है। हालांकि, यह एक अस्थायी व्यवस्था है। लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि यदि जल्द ही शासन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले दिनों में नगर की सफाई व्यवस्था 'चंदा' या 'जुगाड़' के भरोसे ही रहेगी।नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन अन्य गैर-जरूरी कार्यों में अपने विशेषाधिकारों का उपयोग करता है, लेकिन जनता की सेहत से जुड़ी सफाई व्यवस्था में तत्परता नदारद है। गर्मी और आने वाले मानसून के बीच सड़कों पर बिखरा कचरा गंभीर बीमारियों को न्योता दे रहा है, जिससे आम जनता के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों में भी भारी रोष व्याप्त है। नगरवासियों और पार्षदों ने संयुक्त रूप से प्रशासन से मांग की है कि नगर पालिका को तत्काल आवश्यक फंड उपलब्ध कराया जाए। नियमित सफाई व्यवस्था बहाल न होने की स्थिति में नागरिकों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है। अब देखना यह होगा कि 'स्वच्छ सर्वेक्षण' की रैंकिंग का दम भरने वाला प्रशासन जमीनी स्तर पर कब जागता है।

खादों के दामों में वृद्धि से कृषि की लागत बढ़ेगी

कूंरा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार लगातार किसान हितों की बात करते है लेकिन किसानों को हर समय परेशान करने का कार्य कर रही है खरीफ की तैयारी जोरो पर है किसान बीज ,खाद का अग्रिम उठाव शुरू करते थे 1अप्रैल से उठाव शुरू हो जाता था लेकिन इस वर्ष उठाव पर सरकार प्रतिबंध लगा के रखे है,एक तरफ किसानों को खाद की भरपूर उपलब्धता बता रहे है लेकिन दूसरी तरफ किसानों को समितियों में खाद की लिमिट कम कर दी है पहले 60%नगद40खाद दिया करते थे किसानों को पर्याप्त खाद मिलता था जिससे खुशी खुशी खेती करते थे किसानों को खाद बाहर से नहीं खरीदना पड़ता था लेकिन इस वर्ष नगद70%एवं खाद30%कर दिए है जिससे जरूरत की खाद भी अर्याप्त होगा। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बताया कि किसान ऊंची दर पर बिचौलियों से,निजी खाद दुकानों से ज्यादा दर पर खरीदने मजबूर होगे ,सरकार किसानों की आय दुगनी करने की बात करते है लेकिन लगातार खाद के दाम बढ़ाए जा रहे है जो खाद पहले N P K 12.32.16, 1720रु था अब बढ़ कर1900रु प्रति 50kg हो गया है ,N P K 20.20.0.13,1300रु था अब 1400हो गया है जो पोटाश पहले 1535रु था अब1800हो गया इससे कृषि लागत में वृद्धि होगी किसानों को आर्थिक भार वहन करना पड़ेगा ,किसानों को सरकार लगातार हतोत्साहित करने का काम कर रही है, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग की है कि सरकार किसानों को जो तुगलकी फरमान जारी किया उसे फौरन वापस लिया जाए।

सरोरा में संभव स्टील के विस्तार पर बनी सहमति

तिल्दा-नेवरा। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा तिल्दा ब्लॉक के ग्राम सरोरा में संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड के प्रस्तावित विस्तार को लेकर आयोजित जनसुनवाई शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर उमाशंकर बन्दे एवं क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी प्रकाश राबड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने कंपनी के विस्तार प्रस्ताव का समर्थन किया। उल्लेखनीय है कि संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड द्वारा आसपास के गांवों में लगातार विकास कार्यों के साथ-साथ स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है, जिससे क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना हुआ है।

जनसुनवाई में ग्रामीणों ने क्षेत्र के विकास, भूमि के उचित मुआवजे,

स्थानीय युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार के अवसर, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अपने सुझाव शांतिपूर्वक रखे। कंपनी प्रबंधन ने ग्रामीणों की मांगों को शीघ्र पूरा करने का आश्वासन दिया। साथ ही सामाजिक सरोकारों के तहत क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के अंत में कंपनी प्रबंधन ने जनसुनवाई के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, पर्यावरण विभाग एवं सभी ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री यश कुमार जैन पिता विजय लाल जैन ने भूमि स्वामी के. खेतपाल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर किशोर खेतपाल पिता श्री इंदरलाल खेतपाल व अन्य पता-इन्द्र पुष्प रेसिडेंसी गौरव गार्डन के पास व्ही.आई.पी. रोड रायपुर (छ.ग.) वाले की स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा न. 433 रकबा 0.510 हेक्टे. खसरा न. 434/2 रकबा 0.210 हेक्टे. कुल खसरा 2 कुल रकबा 0.720 हेक्टे. ग्राम भिलाई प.ह.न.59 तह. आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित है, का पंजीकृत मुख्त्यारनामा प्राप्त किया है, जिसका दस्तावेज़ क्रमांक CG-2024-2025-102-4-29 (SR 4), पु. क्रमांक अ-4, ग्रंथ क्रमांक अ-175, पृष्ठ क्रमांक 227 से 242, दिनांक 24/04/2024 उप पंजीयक कार्यालय रायपुर है,

उक्त मुख्त्यारनामा से प्राप्त अधिकार के तहत उक्त भूमि का विक्रय पत्र पंजीयन निष्पादन संबंधित उपपंजीयक कार्यालय मे उपस्थित होकर यश कुमार जैन द्वारा श्रीमती उषा अग्रवाल पति प्रहलाद कुमार अग्रवाल निवासी - नीर गंगा वंदना व्ही.आई.पी. रोड गोल्डन स्काइ के पास पुरेना रायपुर (छ.ग.) के पक्ष मे किया जा रहा है।

यह कि उक्त संव्यवहार पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, बैंक, वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, प्राधिकरण शासकीय या अर्ध शासकीय विभाग या अन्य किसी को भी कोई दावा, आपत्ति है तो इस सूचना प्रकाशन से तीन दिवस के अन्दर मेरे निम्न लिखित पते पर अपना दावा सप्रमाण, सुसंगत दस्तावेज़ सहित लिखित मे प्रस्तुत करें तथा पावती प्राप्त करें,

समय अवधि बाद प्रस्तुत किसी भी दावे पर कोई विचार नहीं किया जावेगा, तथा मेरा पक्षकार विक्रय पत्र पंजीयन की कार्यवाही सम्पन्न करा लेगा,

सो सूचना जाने।

स्थान - रायपुर,
दिनांक- 17/04/2026
(यश कुमार जैन)
पक्षकार का
मो.न.- 9329764600

वास्ते, अधिवक्ता
उत्तमचंद जैन
पता - 18, नवजीवन सोसायटी पचपेड़ी नाका रायपुर (छ.ग.)
मोबाइल न.- 7389531444,

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./......./अ-6अ/2024-2025 रायपुर, दिनांक 24/04/2025, ग्राम- टिकरापारा प.ह.नं. 70 तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। इस न्यायालय के रा.प्र.क्र........./अ-6/ वर्ष 2024-2025 में आवेदिका आयुषी शुक्ला पति अजिनेश शुक्ला, निवासी- सिविल लाईन रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 107 भू-राजस्व संहिता 1956 के तहत प्रस्तुत कर लेख किया है। कि ग्राम टिकरापारा प.ह.नं. 70 तहसील व जिला रायपुर स्थित उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 89/2 रकबा 0.3610 हे. संयुक्त खातेदारों के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। राजस्व अभिलेख में नक्शा त्रुटि होने से नक्शा सुधार हेतु धारा हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसकी सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 16/05/2025 को नियत है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 16/05/2025 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(मुहर)

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

नाम परिपर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

(नाबालिग पुत्री/ पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/ पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं ईश्वर निषाद माता/पिता/ पालक का नाम) सुपुत्र/ सुपुत्री **रेवाराम निषाद** गाँव/ शहर **रसौटा** तहसील **आरंग** जिला **रायपुर** छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र का नाम **प्रकाश निषाद (PRAKASH NISHAD)** (पुराना नाम) से बदल कर **जयप्रकाश निषाद (JAYPRAKASH NISHAD)** (नया नाम) रख लिया है।

(मुहर)

ईश्वर निषाद
पालक के हस्ताक्षर

जी.आर. चन्द्राकर
नोटरी/अधिवक्ता, आरंग जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

मेरे मुवक्किल/ मुवक्किला श्रीमती गिरजा बाई उर्फ मीना बाई कुर्मी, उम्र 47 वर्ष पति श्री खेमलाल, निवासी ग्राम सेमरा तहसील व जिला धमतरी छ.ग. के संबंध में यह सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की जा रही है।

मेरे मुवक्किला का नाम भूमि अभिलेख (खसरा/ राजस्व रिकॉर्ड) में "गिरजा" दर्ज है, जबकि आधार कार्ड एवं अन्य पहचान दस्तावेजों में उनका नाम "मीना" अंकित है।

यह स्पष्ट किया जाता है कि "गिरजा" एवं "मीना" दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और भविष्य में उक्त व्यक्ति को "गिरजा उर्फ मीना" नाम से जाना जाएगा।

यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरी अधिवक्ता के पते पर लिखित रूप में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर यह मान लिया जाएगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

स्थानः- आरंग
दिनांकः- 17/04/2026

भवदीय
कौशल कुमार सोनकर (अधिवक्ता)
ऑफिस - उप पंजीयक कार्यालय के सामने, ब्लॉक कॉलोनी, आरंग जिला रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. 70008 39159

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बावासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन / क्षार सूत्र द्वारा ऑपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर्स उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

नुआखाई पर सार्वजनिक अवकाश घोषित, उत्कल समाज की भावनाओं का सम्मान

रायपुर। उत्कल समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने समस्त उत्कल समाज की ओर से नुआखाई पर्व के अवसर पर 15 सितंबर 2026 को रायपुर शहर के सभी शासकीय कार्यालयों एवं संस्थाओं में स्थानीय अवकाश घोषित किए जाने के छत्तीसगढ़ शासन के निर्णय का हृदय से स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री मिश्रा ने कहा कि नुआखाई पर्व उत्कल (उड़िया) समाज की आस्था, परंपरा और कृषि संस्कृति से जुड़ा एक अत्यंत पावन और महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पर्व नई फसल के आगमन, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है। इस अवसर पर अवकाश घोषित कर शासन ने उत्कल समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए एक सराहनीय और संवेदनशील निर्णय लिया है। विधायक श्री मिश्रा ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान उसकी विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि में निहित है और ऐसे निर्णय प्रदेश को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस घोषणा से समस्त उत्कल समाज में अत्यंत हर्ष और उत्साह का वातावरण है।

अधिवक्ता संघ चुनाव, हस्ताक्षर अभियान चलाकर की 'आमसभा' की मांग

रायपुर। जिला अधिवक्ता संघ रायपुर के चुनाव पर उच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए स्थगन के बाद पैदा हुए अनिश्चितता के माहौल को खत्म करने के लिए शुक्रवार को न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने एक व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस अभियान के माध्यम से संघ के संविधान (बायलॉज) की विसंगतियों को दूर करने और जल्द से जल्द चुनाव संपन्न कराने 'आमसभा' बुलाने की पुरजोर मांग की गई। चुनाव में खड़े विभिन्न प्रत्याशियों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में देखते ही देखते सैकड़ों सदस्यों ने हस्ताक्षर कर अपना समर्थन दिया। अधिवक्ताओं का कहना है कि आरक्षण और महिला प्रतिनिधित्व जैसे विषयों पर जो कानूनी अड़चनें आई हैं, उनका समाधान बंद कमरों के बजाय 'आमसभा' में सामूहिक विमर्श से होना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य रूप से धीरज धनगर अधिवक्ता (सचिव प्रत्याशी), रानी लक्ष्मीबाई, नेहा राठौर, सूर्यकांत पाटस्कर, बृजेश अवस्थी, अविजीत, विष्णु महेश, दुष्यंत बंजारे, आश कुमार निर्मलकर, सुशीला साहू, मुस्कान भदौरिया, नगमा खातून, योगिता धुरंधर, आकाश सोनी, निलेश ठाकुर, नारायण महोबिया, पंकज वर्मा, महेंद्र वर्मा, खिलेश्वर साहू, राजेश निर्मलकर, संतोष सेन, एलके मिश्रा, जीतेंद्र साहू, प्रणव तिवारी, खूबचंद साहू, केआर बंजारे, कैलाश पुरी गोस्वामी, राजेंद्र जैन समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

उपार्जन केंद्र में 229.60 क्विंटल धान का शॉर्टेज, समिति प्रबंधक के विरुद्ध होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के धरसींवा विकासखंड अंतर्गत ग्राम खौना धान उपार्जन केंद्र में 229.60 क्विंटल धान शॉर्टेज मिला है। इस मामले में खाद्य विभाग और सहकारिता विभाग की संयुक्त टीम ने जांच की है। जांच में शॉर्टेज की पुष्टि हुई है।

इस जांच रिपोर्ट के आधार पर अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठोर ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित सिलयारी के प्रबंधक को पत्र लिखकर इस मामले में समिति प्रबंधक के विरुद्ध पवन कुमार देवांगन के विरुद्ध 3 दिन के भीतर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

अपर कलेक्टर ने जांच प्रतिवेदन पर तीन दिन में कार्रवाई करने दिए निर्देश

भौतिक सत्यापन में गड़बड़ी उजागर

जिले के उपार्जन केंद्रों में शेष धान का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। इस सत्यापन के दौरान ग्राम खौना उपार्जन केंद्र में 229.60 क्विंटल धान शॉर्टेज पाया गया। धान का शॉर्टेज मिलने पर इसकी जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई। इसमें खाद्य निरीक्षक शैलेंद्र एक्का, शुभा गुप्ता एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी शशांक बल्लेवार शामिल किए गए। टीम ने जांच में पाया कि 15 नवंबर से 2 फरवरी तक किसानों से समर्थन मूल्य पर कुल 48826 क्विंटल बोरी में 1 लाख 22 हजार 65 धान की खरीदी की। इसकी तुलना में समिति ने मिलर्स के माध्यम से कुल 48576.22 क्विंटल बोरी में 1 लाख 21 हजार 441 बोरी धान का उठाव कराया है। शेष 249.60 क्विंटल धान बोरी में 624 का उठाव होना बाकी है, लेकिन भौतिक सत्यापन में सिर्फ 50 बोरी धान शेष पाया गया। इस तरह समिति स्तर पर कुल 229.60 क्विंटल बोरी में 574 बोरी धान कम मिला है।

लगभग आधा दर्जन उपार्जन केंद्रों में धान शॉर्टेज

विभागीय सूत्र से पता चला है कि जिले में लगभग आधा दर्जन उपार्जन केंद्र और है, जहां भौतिक सत्यापन के दौरान धान का शॉर्टेज मिला है। इन उपार्जन केंद्रों में 20 से 70 क्विंटल धान का शॉटेज मिला है, लेकिन इन उपार्जन केंद्र समितियों के विरुद्ध अब तक कोई जांच नहीं की गई है।

कार्रवाई के निर्देश दिए हैं

जांच प्रतिवेदन के आधार पर खौना उपार्जन केंद्र समिति प्रबंधक के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए अपर कलेक्टर ने सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा प्रबंधक को निर्देश दिए हैं।

- भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक रायपुर

श्रम विभाग ने जारी किया नए नियमों का प्रारूप

छत्तीसगढ़ में लागू होगी नई औद्योगिक संबंध संहिता, पुराने श्रम कानून होंगे खत्म, विवादों का होगा डिजिटल निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में औद्योगिक शांति, श्रमिकों के हितों की रक्षा और व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक संबंध (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 का नया प्रारूप जारी कर दिया है। दरअसल राज्य सरकार का श्रम विभाग केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई औद्योगिक संबंध संहिता के अनुपालन में यह बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए नए नियमों का एक प्रारूप तैयार कर 30 दिनों में दावा आपत्ति मंगाई गई है। यह अवधि समाप्त होने और दावा-आपत्तियों का निराकरण होने के बाद इसे लागू किया जाएगा। इसके लागू होते ही राज्य के दशकों पुराने श्रम नियम इतिहास का हिस्सा बन जाएंगे।

तीन पुराने नियमों की जगह लेगा नया प्रारूपछत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार, नया नियम लागू होते ही 'छत्तीसगढ़ औद्योगिक विवाद नियम 1957', 'व्यावसायिक संघ विनियम 1961' और 'औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) नियम 1963' पूरी तरह निष्प्रभावी हो जाएंगे। इन पुराने और जटिल नियमों के स्थान पर अब एक एकल और एकीकृत कानूनी ढांचा काम करेगा, जिससे उद्योगों और श्रमिकों के बीच कानूनी प्रक्रियाओं में स्पष्टता आएगी।

विवादों के निपटारे के लिए शिकायत निवारण समिति

नए प्रारूप के तहत, जिन औद्योगिक संस्थानों में 20 या उससे अधिक कामगार कार्यरत हैं, वहां 'शिकायत निवारण समिति' का गठन करना अनिवार्य होगा। इसके तहत श्रमिक विवाद उत्पन्न होने के एक वर्ष के भीतर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। कार्य समितियों में महिला कामगारों की संख्या के अनुपात में उन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना अनिवार्य किया गया है। कार्य समितियों में सदस्यों की अधिकतम संख्या 20 निर्धारित की गई है।

30 दिनों में दावा-आपत्ति के बाद होगा लागू

हड़ताल के लिए 14 दिन का नोटिस और कड़े नियम

भारत सरकार की औद्योगिक संबंध संहिता के अनुरूप, अब छत्तीसगढ़ में भी किसी भी औद्योगिक संस्थान में हड़ताल पर जाने से पहले कम से कम 14 दिन पूर्व सूचना देना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य अचानक होने वाली हड़तालों से उत्पादन में होने वाले नुकसान को रोकना और बातचीत के जरिए समाधान के अवसर प्रदान करना है।

डिजिटल होगा ट्रेड यूनियनों का पंजीकरण

आधुनिकीकरण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अब ट्रेड यूनियनों (व्यावसायिक संघों) के पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदन से लेकर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तक की सुविधा डिजिटल पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा, औद्योगिक विवादों से संबंधित समझौतों और अन्य विलेखों को भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

300 कर्मचारियों वाली इकाइयों के लिए नई शर्तें

केंद्रीय संहिता के प्रावधानों को अपनाते हुए अब 300 या उससे अधिक कर्मचारियों वाली औद्योगिक इकाइयों को छंटनी या इकाई बंद करने (क्लोजर) से पहले सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। पहले यह सीमा केवल 100 कर्मचारियों तक सीमित थी।

30 दिनों में मांगे गए सुझाव और आपत्तियां

श्रम विभाग ने इस प्रारूप को सार्वजनिक करते हुए आम जनता, श्रमिक संगठनों और उद्योगपतियों से 30 दिनों के भीतर सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की हैं। कोई भी पक्ष अपने सुझाव अवर सचिव, श्रम विभाग, महानदी भवन, नवा रायपुर को भेज सकता है। इन सुझावों पर विचार करने के बाद सरकार अंतिम अधिसूचना जारी करेगी, जिसके साथ ही प्रदेश में नए श्रम युग की शुरुआत होगी।

कांग्रेस का आरोप- उद्योग विभाग की लापरवाही से हुई वेदांता पावर में घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, वेदांता पावर की दुर्घटना सरकार के उद्योग विभाग और प्रबंधन की लापरवाही से हुई। हमने वहां पर जो देखा और लोगों से चर्चा की, उससे साफ हो रहा कि यह दुर्घटना घोर लापरवाही का परिणाम है। सावधानी बरती जाती तो इतनी बड़ी जनहानि नहीं होती। इस दुर्घटना में सरकार की भी लापरवाही है, सरकार का उद्योग सेफ्टी विभाग क्या कर रहा था।

दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, कांग्रेस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि भट्टी बंद किए बिना ही जोखिम भरे काम करवाना, सुरक्षा उपकरणों का न होना और बिना उचित परमिट के काम करना सामान्य बात हो गई है, जो सुरक्षा तंत्र की विफलता का स्पष्ट संकेत है। वेदांता पावर पहले एथेना पावर के नाम से संचालित थी, जो 10 वर्षों तक बंद रही, फिर इसे वेदांता ग्रुप ने खरीदा। बंद फैक्ट्री को जब शुरू किया, तो कितने उपकरण बदली हुए, पुरानी कितनी मशीनें कंडम हुईं, उद्योग विभाग ने इसका आडिट कराया था या नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए। पूरे प्रदेश में संचालित उद्योगों में सुरक्षा ऑडिट कर तय मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे सरकार।

राज्य में पिछले ढाई सालों में औद्योगिक दुर्घटना में लगभग 300 श्रमिकों की जानें गई हैं। इस मामले में एफआईआर तो की गई है, लेकिन जमानतीय धाराएं लगाई गई हैं। साथ ही उद्योग विभाग के जिम्मेदार लोगों को क्यों छोड़ा गया? लापरवाही तो सरकारी अमले की भी है। हमारी मांग है, ऐसी कार्रवाई हो ताकि सुरक्षा मानकों के लिए लापरवाही बंद हो।

महंत बोले-प्रबंधन की गंभीर लापरवाही

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, भाजपा की सरकार में छत्तीसगढ़ में औद्योगिक सुरक्षा की स्थिति भगवान भरोसे है। मजदूरों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं देने से दुर्घटनाएं हो रहीं। 20 से अधिक लोग मरे हैं, दोषी पर केवल जमानतीय धारा लगाई गई है। हमारी मांग है सदोष मानव वध की धारा लगाई जाए। घटना की हम सरकार की जांच की घोषणा से संतुष्ट नही हैं। इतनी बड़ी घटना की जांच एसडीएम कर रही है। हम मांग करते है हाईकोर्ट के सीटिंग जज से जांच कराई जाए। दुर्घटना हुई इसका मूल कारण लापरवाही और जांच की लापरवाही है। 3 वर्ष में 256 लोग दुर्घटना के शिकार हुए हैं। सारी घटनाएं भाजपा सरकार के दौरान ही हो रही।

डॉ. महंत ने मांग करते हुए कहा, दोषियों पर 105 वीएनएस की धारा लगाई जाए। उद्योग विभाग की तकनीकी टीम घटना के तकनीकी पहलू की जांच करे, सुरक्षा जांच हो। घायलों का मुंबई, कोयम्बटूर जैसे बड़े संस्थानों के वर्न यूनिट में ईलाज कराया जाए।

वेदांता पावर प्लांट हादसे की जांच का आदेश जारी

कांग्रेस नेता अकबर ने जांच के बिंदुओं पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सक्ती जिले के डभरा तहसील अंतर्गत सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर लिमिटेड में हुए हादसे की जांच के आदेश जारी किए गए हैं। 14 अप्रैल 2026 को प्लांट की बॉयलर यूनिट-1 में स्टीम पाइप से जुड़े वाटर सप्लाई पाइप के ज्वाइंट में तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटना घटित हुई। इस दुर्घटना में कई श्रमिकों की मृत्यु एवं बहुत से श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने जांच के बिंदुओं को लेकर सवाल उठाए हैं।

दूसरी ओर घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन द्वारा आयुक्त, बिलासपुर संभाग को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जांच के लिए निर्धारित बिंदुओं में घटना कब और कैसे घटित हुई, घटना के कारण एवं परिस्थितियां तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपाय शामिल हैं। जारी आदेश के अनुसार जांच अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे 30 दिवस के भीतर जांच पूर्ण कर अपना प्रतिवेदन राज्य शासन को प्रस्तुत करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुर्घटना की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच सुनिश्चित करने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

बॉयलर विस्फोट में वेदांता के 19 पर केस, जांच में खुल रही लापरवाही

कांग्रेस की जांच टीम ने प्लांट पहुंच कर लिया जायजा

अकबर ने कहा-जांच के बिंदु में ये मुद्दा शामिल नहीं

इस मामले को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा- ये बात सामने आ रही है कि एक घंटे में दो गुना उत्पादन करने के लिए बायलर का लोड तेजी से बढ़ाया गया। लोड़ 350 मेगावाट से बढ़ाकर 590 मेगावाट किया गया। ये दुर्घटना का कारण बना, लेकिन प्रशासन द्वारा जारी जांच के बिंदुओं में यह बिंदु शामिल नहीं है। उन्होंने कहा है कि लोड़ बढ़ाए जाने के मामले की भी जांच होनी चाहिए।

सरकारी अफसर-कर्मियों की गोपनीय चरित्रावली अब बनानी होगी तय समय सीमा में, अप्रैल से अगस्त तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के शासकीय सेवकों के लिए वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन (एपीएआर), जिसे आमतौर पर गोपनीय चरित्रावली (एसीआर) कहा जाता है, को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया है कि अब मूल्यांकन की प्रक्रिया के लिए एक निश्चित समय-सीमा तय की गई है। यदि निर्धारित तिथि तक प्रक्रिया पूरी नहीं होती है, तो प्रतिवेदन अगले चरण में स्वतः अग्रेषित (आटो फॉरवर्ड) हो जाएगा।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब को प्रशासनिक दृष्टि से गंभीर माना जाएगा और संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

ये है टाइम टेबल

शासन ने विभिन्न स्तरों पर मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित अंतिम तिथियां निर्धारित की हैं। खाली पीएआर फार्म का वितरण 30 अप्रैल से होगा। कर्मचारी द्वारा स्व मूल्यांकन अंतिम तिथि 15 से 16 मई तक,प्रतिवेदक अधिकारी द्वारा मूल्यांकन 15 जून,16 जून,समीक्षक अधिकारी द्वारा मूल्यांकन, 15- 16 जुलाई,स्वीकार करने वाला अधिकारी द्वारा मूल्यांकन 16 अगस्त को किया जाएगा। खास बात ये है कि अंतिम तिथि के बाद अगले दिन स्वतः अग्रेषित हो जाएगा।

प्रमोशन के लिए ये है जरूरी दस्तावेज

इन पर लागू होगा ये नियम

सरकार ने साफ किया है कि यह नियम उन सभी अधिकारियों और कर्मचारियों पर लागू होगा जो अखिल भारतीय सेवा आईएएस, आईपीएस, आईएफएस) के अंतर्गत नहीं आते हैं । जिन कर्मचारियों की अभी तक स्पारो पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग नहीं हुई है, उनकी गोपनीय चरित्रावली ऑफलाइन (मैन्युअल) माध्यम से अनिवार्य रूप से भरी जाएगी ।

क्या है गोपनीय चरित्रावली और इसका महत्व?

गोपनीय चरित्रावली एक शासकीय सेवक के पूरे वर्ष के कार्य प्रदर्शन का एक विस्तृत रिकॉर्ड है। इसमें कर्मचारी के कार्य की गुणवत्ता, अनुशासन, सत्यनिष्ठा, टीम वर्क और उसकी क्षमताओं का मूल्यांकन उसके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया जाता है। अब इसे वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन के नाम से जाना जाता है ताकि प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और परिणाम-उन्मुख हो सके।

क्यों बनाया जाता है इसे

इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी तंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना है। यह अधिकारियों को यह समझने में मदद करता है कि कौन सा कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी कितनी कुशलता से निभा रहा है। यह कर्मचारी के लिए एक 'फीडबैक' की तरह भी काम करता है, जिससे उन्हें अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करने का अवसर मिलता है।

प्रमोशन में उपयोगिता

प्रमोशन के समय गोपनीय चरित्रावली सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित होती है ,बेंचमार्क स्कोर- पदोन्नति समिति पिछले 5 से 10 वर्षों के एपीएआर ग्रेडिंग (जैसेः उत्कृष्ट, बहुत अच्छा, अच्छा) की समीक्षा करती है। पात्रता- यदि किसी कर्मी की ग्रेडिंग निर्धारित बेंचमार्क से कम है, तो वह वरिष्ठ होने के बावजूद पदोन्नति से वंचित रह सकता है। सत्यनिष्ठा- यदि चरित्रावली में सत्यनिष्ठा संदिग्ध पाई जाती है, तो प्रमोशन तत्काल रोक दिया जाता है।

आपत्ति या प्रतिकूल टिप्पणी का असर

यदि किसी कर्मी की गोपनीय चरित्रावली में वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कोई प्रतिकूल टिप्पणी की गई है या 'आपत्ति' दर्ज की गई है, तो उसके सर्विस रिकॉर्ड पर ये असर पड़ते हैं,करियर में रुकावट-खराब ग्रेडिंग या प्रतिकूल टिप्पणी के कारण वार्षिक वेतन वृद्धि रोकी जा सकती है। प्रमोशन पर रोक- प्रतिकूल टिप्पणी के विलोपन (हटाए जाने) तक पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाता।प्रतिष्ठा की हानि- गंभीर प्रतिकूल टिप्पणियां भविष्य में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति या विदेशी प्रतिनियुक्ति के अवसरों को समाप्त कर सकती हैं।

खाद के दाम बढ़ाने से किसानों की कृषि लागत में होगा इजाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार लगातार किसान हितों की बात करती हैं, लेकिन किसानों को हर समय परेशान करने का कार्य कर रही हैं। खरीफ की तैयारी जोरों पर है। किसान बीज, खाद का अग्रिम उठाव 1 अप्रैल से उठाव शुरू कर देते थे, लेकिन इस वर्ष उठाव पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखे हैं। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा का कहना है कि एक तरफ किसानों को खाद की भरपूर उपलब्धता बता रहे हैं, दूसरी तरफ किसानों को समितियों में खाद की लिमिट कम कर दी है। पहले 60 प्रतिशत नकद 40 प्रतिशत खाद देते थे। किसानों को पर्याप्त खाद मिलती थी, जिससे वे अच्छी तरह से खेती करते थे। किसानों को खाद बाहर से नहीं खरीदनी पड़ती थी, लेकिन इस वर्ष नकद 70 प्रतिशत एवं खाद 30 फीसदी कर दी गई है, जिससे जरूरत की खाद भी अपर्याप्त होगी, किसान ऊंची दर पर बिचौलियों से, निजी खाद दुकानों से ज्यादा दर पर खरीदने मजबूर होंगे। जो एनपीके 12.32.16, 1720 रुपए थी, अब बढ़कर 1900 रुपए प्रति 50 किलो हो गई है। एनपीके 20.20.0.13, 1300 रुपए थी, अब 1400 हो गई है, जो पोटाश पहले 1535 रुपए थी, अब 1800 हो गई।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री यश कुमार जैन पिता विजय लाल जैन ने भूमि स्वामी के. खेतपाल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर किशोर खेतपाल पिता श्री इंदरलाल खेतपाल व अन्य पता-इन्द्र पुष्प रेसिडेंसी गौरव गार्डन के पास व्ही.आई.पी. रोड रायपुर (छ.ग.) वाले की स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि खसरा न. 433 रकबा 0.510 हेक्टे. खसरा न. 434/2 रकबा 0.210 हेक्टे. कुल खसरा 2 कुल रकबा 0.720 हेक्टे. ग्राम भिलाई प.ह.न.59 तह. आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित है, का पंजीकृत मुख्त्यारनामा प्राप्त किया है, जिसका दस्तावेज़ क्रमांक CG-2024-2025-102-4-29 (SR 4), पु. क्रमांक अ-4, ग्रंथ क्रमांक अ-175, पृष्ठ क्रमांक 227 से 242, दिनांक 24/04/2024 उप पंजीयक कार्यालय रायपुर है,

उक्त मुख्त्यारनामा से प्राप्त अधिकार के तहत उक्त भूमि का विक्रय पत्र पंजीयन निष्पादन संबंधित उपपंजीयक कार्यालय मे उपस्थित होकर यश कुमार जैन द्वारा श्रीमती उषा अग्रवाल पति प्रहलाद कुमार अग्रवाल निवासी - नीर गंगा वंदना व्ही.आई.पी. रोड गोल्डन स्काइ के पास पुरेना रायपुर (छ.ग.) के पक्ष मे किया जा रहा है।

यह कि उक्त संव्यवहार पर किसी भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी, बैंक, वित्तीय संस्था, निगम, निकाय, प्राधिकरण शासकीय या अर्ध शासकीय विभाग या अन्य किसी को भी कोई दावा, आपत्ति है तो इस सूचना प्रकाशन से तीन दिवस के अन्दर मेरे निम्न लिखित पते पर अपना दावा सप्रमाण, सुसंगत दस्तावेज़ सहित लिखित मे प्रस्तुत करें तथा पावती प्राप्त करें,

समय अवधि बाद प्रस्तुत किसी भी दावे पर कोई विचार नहीं किया जावेगा, तथा मेरा पक्षकार विक्रय पत्र पंजीयन की कार्यवाही सम्पन्न करा लेगा,

सो सूचना जाने।

स्थान - रायपुर,
दिनांक- 17/04/2026
(यश कुमार जैन)
पक्षकार का
मो.न.- 9329764600

वास्ते, अधिवक्ता
उत्तमचंद जैन
पता - 18, नवजीवन सोसायटी
पचपेड़ी नाका रायपुर (छ.ग.)
मोबाइल न.- 7389531444,

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./......./अ-6अ/2024-2025 रायपुर, दिनांक 24/04/2025, ग्राम- टिकरापारा प.ह.नं. 70 तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। इस न्यायालय के रा.प्र.क्र........./अ-6/ वर्ष 2024-2025 में आवेदिका आयुषी शुक्ला पति अजिनेश शुक्ला, निवासी- सिविल लाईन रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 107 भू-राजस्व संहिता 1956 के तहत प्रस्तुत कर लेख किया है। कि ग्राम टिकरापारा प.ह.नं. 70 तहसील व जिला रायपुर स्थित उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 89/2 रकबा 0.3610 हे. संयुक्त खातेदारों के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। राजस्व अभिलेख में नक्शा त्रुटि होने से नक्शा सुधार हेतु धारा हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसकी सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 16/05/2025 को नियत है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 16/05/2025 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

**नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)**

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

05 गर्मी ने रिसेप्शन पार्टी का बदला....

एजुकेशन लाइव

थल सेना अग्निवीर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा से पूर्व निशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था

रायपुर। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 10 अप्रैल तक पूर्ण की जा चुकी है। इसके लिए कांकेर जिले से 1314 आवेदकों के द्वारा ऑनलाइन आवेदन जमा किए गए हैं। भारतीय थल सेना द्वारा पंजीकृत आवेदकों की ऑनलाइन लिखित परीक्षा (सीईई) 1 जून से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जाना संभावित है। परीक्षा के लिए युवाओं को बेहतर रूप से तैयार करने के उद्देश्य से संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार निशुल्क प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन रोजगार विभाग की वेबसाइट https://erojgar.cg.gov.in/ पर 30 अप्रैल तक किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन 4 मई से प्रारंभ होकर 4 जून तक किया जाएगा। निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए इच्छुक एवं पात्र आवेदक किसी भी च्वाइस सेंटर अथवा रोजगार कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर रोजगार विभाग की वेबसाइट https://erojgar.cg.gov.in/पर निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समयसीमा के भीतर आवेदन कर निशुल्क प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

21 से 24 वर्ष के शिक्षित युवाओं के लिए इंटर्नशिप

पीएम इंटर्नशिप स्कीम 2026 भारत सरकार द्वारा देश के युवाओं को शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। यह व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने वाली एक सशुल्क इंटर्नशिप योजना है। इसके तहत 21-24 वर्ष के पात्र युवाओं को हर महीने 9000 का स्टाइपेंड, 6000 की एकमुश्त सहायता और बीमा कवरेज मिलता है। इंटर्नशिप स्कीम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कौशल-आधारित वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान करना है, जिसकी अवधि 1 महीने से लेकर 6 महीने या उससे अधिक की हो सकती है। इसके लिए पात्रता भारतीय नागरिक होना चाहिए। 21-24 वर्ष के युवा जो हाईस्कूल, हायर सेकेंडरी, आईटीआई, या बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए आदि डिग्री धारक होना चाहिए। पारिवारिक वार्षिक आय 8 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। फुल-टाइम एम्प्लॉयड न हों। इस योजना के तहत पात्र युवाओं को हर महीने 9,000 रुपए (500 रुपए सरकार द्वारा $ कंपनी द्वारा), 6,000 की एकमुश्त सहायता राशि और इंटर्न का बीमा कवरेज (जीवन और दुर्घटना) प्रदान किया जाता है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक पोर्टल **https://pminternship.mca.gov.in/login/** पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। एक उम्मीदवार अधिकतम 3 कंपनियों में आवेदन कर सकता है।

स्कूलों में समर वेकेशन होमवर्क पर बच्चों को सोशल, इमोशनल और मेंटल ग्रोथ पर जोर

समर वेकेशन : 15 दिनों में स्टूडेंट्स टीचर को लिखेंगे पत्र, बताएंगे पढ़ाई का हाल, शहर की समस्या का हल खोजने मिला असाइनमेंट

स्कूलों में एग्जाम खत्म होने के बाद बच्चों की गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं। इन वेकेशन के दिनों में बच्चों में पढ़ने-लिखने की आदत बनाए रखने इस बार स्पेशल असाइनमेंट और प्रोजेक्ट दिए गए हैं, जिससे बच्चों का बौद्धिक और शारीरिक विकास भी होगा। छात्रों को शहर और देश की बड़ी समस्या का हल खोजने का असाइनमेंट मिला है। हरिभूमि ने शहर के विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस वेकेशन में बच्चों के लिए पढ़ाई से हटकर मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास को ध्यान देते हुए होमवर्क तैयार किया है।

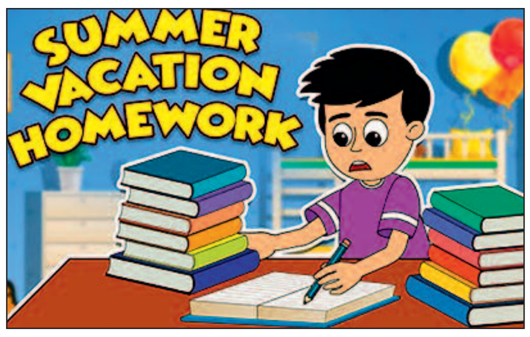

बाल साहित्य और पंचतंत्र की पढ़ेंगे किताब

शहर के सरस्वती शिशु मंदिर में इस समर वेकेशन बच्चों को बाल साहित्य पढ़ने पर जोर दिया है। शिक्षक संस्कार श्रीवास्तव ने बताया कि हमने सभी बच्चों को पंचतंत्र कथा ग्रंथ पढ़ने का असाइनमेंट दिया है, जिसे आचार्य विष्णु शर्मा ने लिखा है। इस किताब को पढ़कर बच्चों के बौद्धिक विकास के साथ सोच भी विकसित होती है। इसके अलावा सदाचारी बनने के गुण बताने के साथ-साथ रिश्तों का महत्व जानने जैसे रोचक असाइनमेंट दिए हैं। उनका कहना है कि बच्चे गणित और अंग्रेजी में कमजोर होते हैं, इसलिए उन्हें अंग्रेजी में निबंध लिखने के साथ गणित के सूत्रों को चार्ट तैयार करने का कहा है, जो उन्हें आगे की कक्षा में भी काम आएगा।

गर्मी की छुट्टियों में बौद्धिक और शारीरिक विकास के लिए बच्चों को दिए स्पेशल असाइनमेंट

रायपुर। प्राइवेट स्कूलों में बच्चों के लिए रोचक असाइनमेंट तैयार किए हैं, जिससे वे पढ़ाई से जुड़े रहेंगे और मनोरंजक तरीके से इसे पूरा किया जा सकता है। बच्चे जहां भी घूमने जाएंगे, वे अपना यात्रा वृतांत लिखेंगे। हमने अनुभव की शिक्षा थीम पर इस बार असाइनमेंट और प्रोजेक्ट दिया है। हमने बच्चों से कहा है कि 15 दिनों के बाद अपने शिक्षक को एक पत्र लिखेंगे, जिसमें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ समर वेकेशन के बारे में बताएंगे। यह इसलिए, ताकि बच्चे स्कूल और शिक्षकों से जुड़े रहें। इसके अलावा किताब पढ़ने को कहा है, जिसकी समीक्षा भी खुद लिखेंगे। साइंस और गणित को लेकर प्रोजेक्ट पाठ्यक्रम से जुड़े हुए हैं।

शहर की ट्रैफिक समस्या का ढूंढेंगे हल

कक्षा 8वीं से 10वीं की पढ़ाई करने वाले छात्रों को समस्या पर आधारित असाइनमेंट मिले हैं। द लिटिल की प्राचार्य प्रीति शुक्ला ने बताया कि बच्चों को मोबाइल से दूर रहकर शारीरिक गतिविधि करनी है। शिक्षक हर 10 दिनों में पालकों से बात कर इसकी मॉनिटरिंग भी करेंगे। उन्होंने बताया कि 10वीं के छात्रों को शहर की ट्रैफिक समस्या का हल ढूंढने का स्पेशल असाइनमेंट दिया है। अपने आसपास होने वाले सोशल एक्टिविटीज पर निबंध के अलावा छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति के जानने को कहा गया है। साथ ही सड़क पर चलती गाड़ियों के नंबर से उसका स्टेट व सिटी जानने का अनोखा प्रोजेक्ट दिया है।

लोगों के बीच सामाजिक होने का असाइनमेंट

ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को रोचक असाइनमेंट मिले हैं। बोरिया में शासकीय स्कूल के शिक्षक प्रेम साहू ने बताया कि हमने समर असाइनमेंट को रिसर्च कार्य की तरह तैयार किया है। इसमें ऐसी एक्टिविटीज दी है, जिसमें उन्हें सोशल होना है। बच्चों को पड़ोसियों के इंटरव्यू लेने हैं, कम्युनिटी डेवलपमेंट को समझना है, बीज का अंकुरण करके देखना है। इन सभी गतिविधियों से उन्हें जानकारी जुटानी है, ताकि वे सामाजिक हो सकें। चूंकि छुट्टियां कम दिन की होती हैं, इसलिए क्लास तीसरी से नौवीं तक इतना ही वर्क देते हैं कि वे एंजॉयमेंट के साथ उसे पूरा कर सकें।

सिटी इवेंट

हल्दी-कुंकू उत्सव में खेले गेम्स, कांटा चम्मच से चने उठाकर मग में डालने की होड़

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल के मोवा-सड्डू केंद्र की महिलाओं ने सहसंयोजिका उर्वशी उरगांवकर की पहल पर शुक्रवार को हल्दी-कुंकू का आयोजन किया। इसमें महिलाओं ने अलग-अलग तरह की प्रतियोगिता से उत्सव को एंजॉय किया। केंद्र की संयोजिका शालिनी जोशी ने बताया कि चैत्र गौर हल्दी कुंकू उत्सव की परंपरा हर साल निभाई जाती है। इसमें शामिल होने वाली महिला सभासदों का स्वागत हल्दी - कुंकू लगाकर और वाण (उपहार) देकर किया गया। इस अवसर पर महिलाओं के लिए एक आकर्षक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया और कांटा-चम्मच की मदद से चने उठाकर मग में डालने के लिए चुनौती दी गई। इसके लिए प्रत्येक प्रतिभागी को एक-एक मिनट का समय दिया गया।

सही क्रम में चने डालने हुए पाई सफलता

शालिनी ने बताया कि खेल के लिए पानी के छह डिस्पोजल गिलास लिए गए। इनमें से एक गिलास के नीचे चैत्र और दूसरे गिलास के नीचे गौरी लिखा था। गिलास को शफल करके एक क्रम से जमाया गया, ताकि प्रतिभागी को यह पता न चल सके कि किस गिलास में चैत्र लिखा और किसमें गौरी। फिर कांटा-चम्मच की मदद से प्रतिभागियों को काबुली चना उठाकर गिलास में डालने का टास्क दिया था। पहले क्रम में सभी गिलास में एक-एक चना, फिर दूसरे क्रम में क्रमशः दो-दो चना, फिर तीन-तीन कांटे से उठाकर डालना था। इसके लिए सभी प्रतिभागियों को एक मिनट का समय दिया गया था। कुछ ने गिराया तो कुछ ने सही क्रम में चने डालने में सफलता पाई।

चैत्र, गौर लिखे गिलास के चने की गिनती

इसके बाद चैत्र और गौर लिखे गिलास के चने की गिनती की गई। जिसका चना ज्यादा था, उसे विजेता घोषित किया गया। इस खेल को सभी ने एंजॉय किया। प्रथम रंजना देशपांडे, द्वितीय वैदेही राउत और तृतीय स्थान सविता अलोने को मिला। सभी विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप पौधे भेंट किए गए। सभी को हल्दी कुंकू लगाकर मोगरे का गजरा, आम्बेदाल, आमपणा, भेल, लड्डू प्रसाद दिया गया। नए मेंबर्स का परिचय प्राप्त करने के बाद सभी ने हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए समापन किया। मनीषा होशंगाबादे, शीतल तलेगांवकर, स्मिता करदले, जयश्री सालम, मंजूषा कालकर, उन्नति शाह, माणिक आचार्य ने प्रोग्राम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

कॅरियर बनाने, व्यक्तिगत विकास के लिए विद्यार्थियों को किया प्रेरित

रायपुर। समता कॉलोनी स्थित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज प्रबंधन विभाग द्वारा परिसर में "मन की बात" विषय पर एक प्रेरक इंटरएक्टिव सेशन का आयोजन किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अध्ययन, करियर, अवसरों एवं व्यक्तिगत विकास के प्रति जागरूक और प्रेरित करना था। इसमें प्रसिद्ध रेडियो जॉकी एवं पब्लिक स्पीकर आरजे अनिमेष शुक्ला मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक वक्तव्य के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन में सही दिशा चुनने, अवसरों को पहचानने एवं निरंतर आत्मविकास की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन में कॉलेज के चेयरमैन रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन राजेश अग्रवाल, सेक्रेटरी सरिता अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. जैस्मिन जोशी तथा उप-प्राचार्य डॉ. श्वेता तिवारी की अगवाई में शुक्रवार को आयोजन किया गया।

हर विद्यार्थी में असीम संभावनाएं, उसे पहचानने की जरूरत

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि "सफलता उन्हीं को मिलती है, जो अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट, समर्पित और निरंतर प्रयासरत रहते हैं। हर विद्यार्थी के भीतर असीम संभावनाएं हैं, जरूरत है उन्हें पहचानने और सही दिशा में प्रयास करने की। इस इंटरएक्टिव सत्र में छात्र-छात्राएं उत्साह से शामिल रहे। अपने करियर, पढ़ाई एवं जीवन से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका समाधान आरजे अनिमेष ने सरल एवं व्यावहारिक तरीके से प्रस्तुत किया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं संकाय सदस्यों की उपस्थिति रही। अंत में कालेज प्रबंधन ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को इस प्रकार के प्रेरणादायक आयोजन से निरंतर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

रुक्मणी ने 3000 बुद्ध धम्म पट्टिका बांटकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया नाम

रायपुर। बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर शहर की रुखमणी राजू रामटेक ने 3000 से अधिक धम्म पट्टिका वितरित की। इस सराहनीय व अनूठी पहल के लिए उनका नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की अधिकृत संवाददाता सोनल राजेश शर्मा द्वारा इस उपलब्धि का प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों से उन्हें प्रदान किया गया। बता दे कि 14 अप्रैल को डॉ. आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आंबेडकर चौक पर रुक्मणी राजू रामटेक ने एक अनूठी पहल करते हुए 3000 से अधिक धम्म पट्टिकाओं का वितरण किया, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि रही। इस उपलब्धि के लिए रुक्मणी राजू रामटेक ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि गौतम बुद्ध के सिद्धांतों और बाबा साहेब भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारों को आत्मसात कर समाज में समानता, शिक्षा एवं जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया है। मैंने यह कार्य किसी रिकार्ड बनाने के उद्देश्य से नहीं किया था, बल्कि आस्था व सेवाभाव से किया था। इसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है, इसकी मुझे प्रसन्नता है। आगे भी इसी तरह बुद्ध के सिद्धांतों और बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात कर समाज में समानता, शिक्षा एवं जागरूकता फैलाने का कार्य करती रहूंगी।

कार्नर न्यूज

सीआर लेंस की मांग, आंख पूरी तरह से ढकी रहे इसलिए चौड़े फ्रेम पहली पसंद

डिजिटल चश्मे में तीन से अधिक फ्रेम, धूप के अनुसार कर सकते हैं सेट, सूर्य की रोशनी और गर्मी के आधार पर तय होते हैं रंग

रायपुर। गर्मी में तेज धूप से आंखों को बचाने के लिए बाजार में ब्रांडेड के साथ-साथ अब डिजिटल चश्मे की मांग बढ़ गई है। धूप और धूल से होने वाली एलर्जी से बचने के लिए बड़े शो रूम में रोजाना 100 से अधिक लोग चश्मे खरीदने लोग पहुंच रहे हैं। कटोरा तालाब स्थित एक दुकान के संचालक विकास पंजवानी ने बताया, ज्यादातर युवा वर्ग स्टाइलिश रंगीन चश्मे खरीद रहे हैं। गर्मी में सर्वाधिक मांग पोलेराइड व सीआर लेंस चश्मों की है। युवतियां बी-टू ग्लास, फोटो लेंस के साथ डिजाइनर चश्मे खरीद रही हैं। इसके अलावा बिना ब्रांड के चौड़े फ्रेम में कंट्रास्ट वाले चश्मों को भी पसंद किया जा रहा है। दुकानदारों का कहना है कि अब चश्मा पहनना शौक के साथ लोगों की मजबूरी भी बन गई है। इसलिए अप्रैल में बिक्री बढ़ी है।

चिकित्सक भी दे रहे हैं सलाह

तेज धूप से आखों में जलन व खुजली के साथ लालिमा आने की समस्या लोगों में बढ़ रही है। डॉक्टर भी चश्मा पहनने की सलाह दे रहे हैं। बाजार में यूवी ग्लास, सूर्य की किरण से आंखों को बचाने वाले ग्लास, ड्राइविंग करते समय पहने जाने वाले चश्मे भी उपलब्ध है। डॉ. श्वेता चावड़ा का कहना है कि घर से बाहर निकलते समय अच्छी क्वालिटी के चश्मे का प्रयोग करें। चश्मे इस तरह के हो, जो आंखों को पूरी तरह से ढक सकें। तेज गर्म हवा आंखों में पड़ने से एलर्जी की समस्या बढ़ जाती है।

ब्लूटूथ की सुविधा, कर सकते हैं बात

महानगरों में इन दिनों डिजिटल चश्मा पहना जा रहा है। ट्रेंड के अनुसार रायपुर में भी डिजिटल चश्मे की मांग देखी जा रही है। शो रूम में यह चश्मा 6 हजार में उपलब्ध है, जिसमें धूप के अनुसार व्यक्ति तीन अलग-अलग प्रकार से फ्रेम को सेट किया जा सकता है। इसमें ब्लूटूथ की सुविधा है, जिसकी मदद से कॉल में बात किया जा सकता है। क्रोमा शोरूम के मयंक शर्मा ने बताया कि ब्रांडेड चश्मे में ब्लूटूथ वाले चश्मे की बिक्री अधिक है। स्टाइलिश होने से युवा वर्ग इसे पसंद कर रहे हैं। धूप में बाहर निकलने के अपने समय के अनुसार लोग चश्मे के रंग चुन रहे हैं।

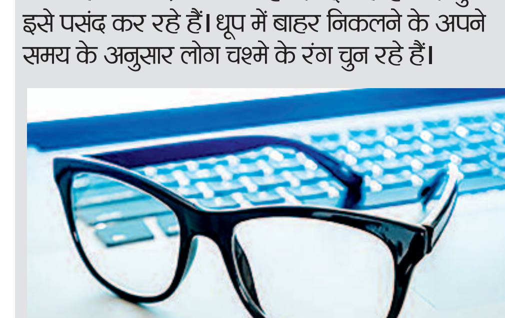

सिटी लाइव

सेवा सप्ताह में बच्चों ने दिया सेवा संस्कार और समर्पण का संदेश

रायपुर। अग्रवाल समाज की महिला इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन सेवा सप्ताह का समापन उत्साह और सामाजिक समर्पण की भावना के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन के माध्यम से बचपन से ही बच्चों में सेवा और सहयोग की भावना विकसित कर आने वाली पीढ़ी एक संवेदनशील और जिम्मेदार समाज का निर्माण करने का संदेश दिया। यह सप्ताह केवल सेवा कार्यों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और संस्कारों के प्रसार का एक प्रेरणादायक माध्यम भी बना। इस दौरान नन्हे हाथ, बड़ा काम-सेवा से रोशन समाज का नाम, इस भावना को साकार करते हुए बच्चों ने सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। बच्चों द्वारा हनुमान चालीसा का पाठ कर पुस्तक देकर मिक्स जूस, छाछ, रूहआफजा, रसना, आमपाना आदि का वितरण किया गया।

बाल सेवा में समाज के बच्चों में दिखा उत्साह

सेवा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी शारदा अग्रवाल, सीमा सेक्सरिया, सीमा खेमका और सुमन मोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि समापन दिवस पर मिक्स फ्रूट सेवा वितरण को बाल सेवा के रूप में आयोजित किया गया। इस पहल में समाज के बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सेवा के प्रति अपनी जागरूकता और उत्साह का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बना, जिसने पूरे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए उनकी माताएं, समाज की महिलाएं, कार्यकारिणी सदस्य, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष, पदाधिकारी और संरक्षिकाएं उपस्थित रहीं। सभी ने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए यह संदेश दिया कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि जीवन का एक महत्वपूर्ण मूल्य है, जिसे बचपन से ही अपनाया जाना चाहिए। नन्हे हाथ, बड़ा काम-सेवा से रोशन समाज का नाम, इस भावना को साकार करते हुए बच्चों ने सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस सेवा सप्ताह में सेवा के साथ-साथ संस्कारों का भी सुंदर समावेश किया गया।

शादी घरों में भीषण गर्मी और लू के चलते मेहमानों की सेहत व जायके के अनुसार केटरर्स से बनवा रहे मेनू

गर्मी ने रिसेप्शन पार्टी का बदला खानपान, स्टार्टर में फरा-चीला वेलकम ड्रिंक्स में आम पना, छाछ और फ्रूट जूस का रिफ्रेशमेंट

भीषण गर्मी और लू के चलते शादी की रिसेप्शन पार्टी में खाने का जायका सेहत न बिगाड़ दे, इसको लेकर मेन्यू पर खास ध्यान दिया जा रहा है। गर्मी के इस सीजन ने रिसेप्शन पार्टी के मेनू में बड़ा बदलाव ला दिया है। अब रिसेप्शन पार्टियों में भारी और मसालेदार खाने की जगह मेहमानों को ठंडक और ताजगी देने वाले व्यंजन परोसे जा रहे हैं। दूल्हा-दुल्हन अब ऐसे मेन्यू चुन रहे हैं, जो हल्के, ताजे और हाइड्रेट हों, ताकि मेहमान फूड काउंटर्स पर बिना किसी झिझक के खाने-पीने का लुत्फ उठा सकें। शहर की प्रसिद्ध केटरर्स में से एक पांडे केटरर्स के संचालक आकाश पांडेय ने बताया कि जून तक एडवांस में वेडिंग रिसेप्शन पार्टी की बुकिंग है।

डिनर में कम मसालेदार भोजन

मुख्य भोजन में कम मसालेदार भारी ग्रेवी की जगह हल्की ग्रेवी या सूखी सब्जियों को शामिल कर रहे हैं। वहीं चावल में शाही पुलाव या वेज बिरयानी, दाल मखनी या पीली तड़का दाल, सब्जी में कड़ाही पनीर, मलाई कोफ्ता या मिश्रित मौसमी सब्जी, लाल भाजी, रोटी में लच्छा पराठा, तंदूरी बटर नान या तवा रोटी, रायता में बूंदी या मिक्स फ्रूट रायता मेन्यू में पहली पसंद है।

इधर डीजे और एम्पलीफायर को कूलर की दे रहे ठंडक

शहर के फेमस डीजे संचालक डीजे सोनू ने बताया कि गर्मियों में डीजे बॉक्स और एम्पलीफायर अधिक गर्म हो जाते हैं, ऐसे में कूलर का उपयोग कर इन्हें नार्मल रखना पड़ता है। तेज धूप और ज्यादा गर्मी के कारण स्पीकर और एम्पलीफायर गर्म होकर खराब हो सकते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए डीजे वाली गाड़ी में छोटे साइज के कूलर लेकर चलते हैं।

रायपुर। शादी घर वाले गर्मी के मौसम के अनुरूप रिसेप्शन पार्टी के मेन्यू सलेक्ट कर रहे हैं। ऐसे में स्टार्टर, वेलकम ड्रिंक्स और मॉकटेल्स से लेकर डिनर थाली के मेन्यू में कई स्पेशल डिशेज एड करा रहे हैं और रुटीन मेन्यू को रिप्लेस करा रहे हैं। इसमें गर्मी के अनुसार रिसेप्शन मेन्यू में स्वागत पेय पारंपरिक शर्बत में नीबू पानी, जलजीरा, बटरमिल्क, नारियल पानी, तरबूज का जूस और छाछ को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं स्टार्टर में तला-भुना खाने के बजाय ठंडे और ताजे स्टार्टर छत्तीसगढ़ी व्यंजन में फरा, चीला, चौसेला और साउथ डिश में दही बड़ा, दही भल्ला, टोमैटो बेसिल, ब्रुशेटा शामिल करा रहे हैं। जबकि मेन कोर्स भारी करी के बजाय हल्के व्यंजन में गार्डन-फ्रेश टोमैटो और बुर्राटा सलाद, लेमन राइस, दही चावल, ग्रील्ड पनीर, हर्ब-मैरिनेटेड, भुनी हुई सब्जियों के साथ क्विनोआ सलाद शामिल करा रहे हैं। रिसेप्शन पार्टी मेन्यू के लिए 250 रुपए से लेकर 400 रुपए प्रति प्लेट मेन्यू को लोग पसंद कर रहे हैं। इसमें सीजन के हिसाब से ग्राहकों के मनपसंद के मेन्यू कंप्लीट एक पार्टी के लिए हम एड करते है। मेन्यू में यह बदलाव न केवल गर्मी से राहत देता है, बल्कि मेहमानों को एक ताजा अनुभव भी प्रदान करता है।

ड्रिंक व मॉकटेल्स स्पेशल

आम पना, छाछ, फ्रेश फ्रूट जूस में तरबूज, अनानास और मौसमी फलों के रस को शामिल किया गया है। वहीं मॉकटेल्स में ब्लू लैगून, मोजितो, लेमनग्रॉस वेलकम ड्रिंक्स और मॉकटेल्स खास मेन्यू में डिमांड हो रही है।

स्टार्टर में पारंपरिक व्यंजन फ्यूजन मिक्स्ड डिश भी

स्टार्टर में हल्के और ताजे तलने वाली चीजों की जगह ग्रील्ड और कच्ची चीजों को शामिल कर रहे हैं। सलाद और डिप्स में कुकुम्बर राउंड्स खीरे के स्लाइस पर क्रीम, टमाटर बेसिल ब्रुशेटा, हेल्दी बाइट्स में दही बड़ा, पुदीना और इमली की चटनी के साथ, फरा, चौसेला, फ्यूजन स्टार्टर में चीज गार्लिक ब्रेड रोल, कॉर्न पिज्जा पॉकेट, पनीर नैनिजा और कबाब वेज में फलाफेल डिमांड में है।

मीठा-ठंडी मिठाइयों का अलग काउंटर

गर्म गुलाब जामुन की जगह ठंडी कुल्फी, फ्रूट पार्फे, मिनी मैंगो टार्ट, आइस्क्रीम और मौसमी फलों का स्पेशल काउंटर भी एड किया जा रहा है। इसके अलावा आइसक्रीम में विभिन्न फ्लेवर के साथ गुलाब जामुन, ठंडी फिरनी, शाही टुकड़ा, पुडिंग और फ्रूट्स में ताजे फलों की डिश परोसी जा रही है।

समाज लाइव

राहगीरों को ठंडे पानी के साथ मिल रहा चना-गुड़

रायपुर। रुद्र सेवा समिति द्वारा संचालित रूद्र सेना द्वारा संविधान निर्माता स्व भीमराव अंबेडकर जयंती और बैसाखी अवसर पर प्याऊ घर का उद्घाटन किया गया। कई वर्षों से लगातार रुद्र सेवा और ब्रह्म भट्ट ब्राह्मण समाज द्वारा संयुक्त रूप से प्याऊ का संचालन किया जा रहा है, जिसमें राहगीरों को ठंडे पानी के साथ चना गुड़ की व्यवस्था कराई जाती है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य व्यापार प्रकोष्ठ अरुण बेरी ने बताया गया कि व्यवस्था कई वर्षों से लगातार लोगों के लिए की जा रही है और आने वाले समय में राहगीरों के साथ-साथ बेजुबान पशुओं के लिए भी इसकी प्रयास किए जाएंगे। उद्घाटन अवसर पर संगठन के प्रदेश महासचिव सच्चिदानंद दुबे,जीपी तिवारी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजय शर्मा, ज्ञानेंद्र पांडे, प्रशांत क्षीरसागर, पिंकी सिंह, प्रमोद सोनी, बच्चा यादव, रजनीकांत पांडे, प्रमोद सोनी, हरिशंकर चतुर्वेदी, शिव श्रीवास्तव, लालमन यादव, शरद दुबे, शिवनाथ शुक्ला, अमरेंद्र नाथ, मनोज शर्मा, प्रसाद राव, रूपेंद्र साहू, राजेंद्र शर्मा, शरण भजनी, हेमंत बघेल, शशि भूषण मोहंती, अजय कल्याणी सहित काफी संख्या में समाजसेवी उपस्थित थे।

समर फैशन में कम्फर्ट स्टाइल का बड़ा क्रेज, पार्टी वियर के साथ डेली यूज ड्रेस का बना रहे कलेक्शन

युवाओं के बीच समर फैशन में कम्फर्ट स्टाइल का जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। इसमें लो-वेस्ट जींस, शिमरी टॉप्स और बटरफ्लाई पैटर्न युवाओं को खूब भा रहे हैं। वहीं पेस्टल कलर्स, हल्के फैब्रिक मुलमुल, लिनन और आरामदायक स्टाइल से कॉलेज, स्कूलों के एनुअल फंक्शन, समर वेडिंग्स और फेस्टिवल्स को फैशनेबल बना रहे हैं।

स्टेटस के साथ सोशल मीडिया पर छा रहे

सोशल मीडिया का असर इंस्टाग्राम, टिकटॉक, रील जैसे प्लेटफॉर्म से प्रभावित होकर युवा मशहूर हस्तियों और फैशन प्रभावितों के स्टाइल को फॉलो कर रहे हैं।

स्टाइल के साथ सहजता

युवा साधारण कपड़ों के बजाय बोल्ड पैटर्न और आरामदायक स्टाइल को पसंद कर रहे हैं। यह रुझान न केवल स्टाइलिश दिखने के लिए, बल्कि अपनी अनूठी पहचान बनाने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए भी है।

रायपुर। शहर की जानी-मानी फैशन डिजाइनर मुस्कान प्रधान का कहना है कि मुलमुल सूट, पेस्टल लहंगा और हल्के एथनिक वियर कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक देते हैं, जिससे गर्मी में स्टाइल स्टेटमेंट बना रहता है। समर फैशन के प्रमुख ट्रेंड्स में पार्टी वियर में भारी कपड़ों के बजाय मुलमुल के सूट, पेस्टल रंग के लहंगे और हल्के लिनन वियर सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। ये आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी होते हैं, जो गर्मियों के मौसम में इरीटेशन से बचाते हैं। फंक्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए पारंपरिक ड्रेसेस के साथ मॉडर्न ट्विस्ट वाले कपड़े जैसे फ्लोरल प्रिंट्स, कुर्ती के साथ प्लाजो या हल्के एथनिक को-ओर्ड सेट्स लोकप्रिय हैं। वहीं कलर्स और फैब्रिक की बात करें तो स्काई ब्लू, लाइट पिंक, मिंट ग्रीन रंग और फ्रेब्रिक्स में कॉटन और लिनन का बोलबाला है, जो आंखों को सुकून और शरीर को ठंडक प्रदान करते हैं।

फैशन और कम्फर्ट का कॉम्बो आउटफिट

युवा हर फंक्शन में अपने कम्फर्ट स्टाइल में फैशन में अब स्टाइल से रौनक बढ़ा रहे हैं। यूनिक आउटफिट और ज्यादा आरामदायक कपड़ों को प्राथमिकता दी जा रही है, जो किसी भी आयोजन को यादगार बनाने कूल लुक देते हैं। युवा गर्मी के मौसम में फैशन और कम्फर्ट का कॉम्बो आउटफिट अपना रहे हैं। सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण युवाओं में लो-वेस्ट जींस, मिनी स्कर्ट और आरामदायक स्ट्रीट स्टाइल को प्राथमिकता दे रहे हैं, जहां आराम और फैशन का कॉंबिनेशन मिल रहा है। इसमें लेगिंग्स, जॉगर्स और हूडिज का उपयोग बढ़ रहा है, जो कॉलेज से सोशल गैदरिंग तक आकर्षक लुक के लिए कैरी किया जा रहा है। लो-वेस्ट जींस, शिमरी टॉप्स और बटरफ्लाई पैटर्न युवाओं को खूब भा रहे हैं।

आपातकालीन स्थिति से निपटने विद्यार्थियों ने सीखे सुरक्षा के गुर

रायपुर। राष्ट्रीय अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन नंदिनी स्कूल में किया गया। जहां अग्निशमन सुरक्षा के कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को आपातकालीन स्थिति और विभिन्न प्रकार से लगने वाली आग से निपटने के लिए सुरक्षा के गुर सिखाएं और बताए। अग्निशामक यंत्रों के उपयोग की भी जानकारी दी गई।

स्कूल के विद्यार्थियों और स्टाफ को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जे.के. लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड दुर्ग द्वारा यह अभियान 7 अप्रैल से 14 अप्रैल तक विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं में चलाया गया था। इस अवसर पर एस. के. लेंकासर डिप्टीहेड, सेफ्टी, फायर ऑफिसर पंकज चौहान, फायर एवं टीम ज्योति प्रकाश प्रसाद, सीएसआर फील्ड ऑफिसर नवीन कलेत और उमेश कुमार धनक सहित कंपनी के विभिन्न अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

ए, बी और सी टाइप सुरक्षा उपायों की दी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आग लगने की स्थिति में बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें विभिन्न प्रकार की आग जैसे ए टाइप ठोस पदार्थों में लगने वाली आग, बी टाइप ज्वलन शीलतरल पदार्थों की आग, सी टाइप विद्युत उपकरणों से लगने वाली आग आदि के बारे में समझाया गया। साथ ही विभिन्न प्रकार की आग को बुझाने के अलग-अलग तरीकों और उपयुक्त अग्निशामक यंत्रों के उपयोग की जानकारी भी दी गई।

धर्म लाइव

कला उत्सव में आर्टिस्ट सजाएंगे भगवान परशुराम की कृतियां

रायपुर। जलरंग, तैल रंग, कोलॉज, पेंसिल, चारकोल, पैन, स्याही से शनिवार की शाम महाकोशल परशुराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी सजने वाली है। कला वीथिका में 18 अप्रैल को गोधुली बेला में श्रीमती तारा देवी शर्मा कला उत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। इस आयोजन में हिंदुस्तान के वरिष्ठ कलाकार, महिला रचनाकार एवं युवा व बाल कलाकारों की रचनाएं भगवान परशुराम के जीवन चरित्र को परिभाषित करती विषय के अंतर्गत माता के साथ भगवान परशुराम का वात्सल्य, भगवान गणेश और भगवान परशुराम का युद्ध की जीवंत प्रस्तुति, राम सीता विवाह में लक्ष्मण-परशुराम संवाद, भगवान परशुराम का वनगमन, शिवजी के धनुष पर श्रीराम व भगवान परशुराम संवाद आदि विषयों पर चुनिंदा रचनाएं प्रदर्शित की जाएंगी।

25 से अधिक कलाकारों की कृतियां होंगी शामिल

इस कला प्रदर्शनी में प्रिनाका नाग, शांभवी शर्मा, दिशा ठाकुर, समृद्धि गुप्ता, शुभ अग्रवाल, अमृता भट्टाचार्य, दिव्यांशी शर्मा, स्वयं जैन, पार्थ रायसागर, परि मारोठिया, रोमा लच्छवानी सहित 25 से अधिक कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शनी का हिस्सा बनाया जाएगा। इस बार प्रीति लच्छवानी, रुबिना बोस, सौम्यजीत भट्टाचार्य, तृणा विश्वास, मीनल पुजारी और तनीषा अग्रवाल की रचनाओं को स्थान मिलने वाला है। भगवान परशुराम राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी को लोग रविवार को भी सुबह 9 बजे से 11.30 बजे तक दर्शक यह प्रदर्शनी निशुल्क देख सकेंगे। तय समय के बाद इस कला प्रदर्शनी का समापन किया जाएगा।

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित शोलापुरी पूजा मैदान में 1 से 10 मई तक भक्त परिवार मनाएंगे माता का पूजा उत्सव

कार्नर न्यूज

केरल के प्राचीन मंदिर की तर्ज पर सजेगा शोलापुरी माता का दरबार, 65 फीट से भी ऊंचा बनेगा गुंबद

रायपुर। परंपराओं का निर्वहन करने का सिलसिला इस साल भी डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित पूजा मैदान में शुरू हो गया है। विगत 15 दिनों से पश्चिम बंगाल से आए 30 कलाकारों की टोली शोलापुरी माता के दरबार को केरल के प्राचीन मंदिर की तर्ज पर आकार दे रही है। इस बार भीषण गर्मी देखते हुए पंडाल को 65 वर्गफीट एरिया में विकसित किया जाएगा। जहां माता की आस्था में भक्तों का मेला आगामी 1 से 10 मई तक लगने वाला है। इसके लिए तैयारियों का दौर तेज हो गया है। श्रीश्रीश्री शोलापुरी माता पूजा समिति के डी. श्रीनिवास राव, एम. श्रीनिवास राव, एस. वेंकट राव, डी. गोविंद राव सहित प्रमुख पदाधिकारियों की निगरानी में माता का दरबार सजाने के लिए पहल शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल से बुलाए गए कलाकारों ने भव्य पंडाल को आकार देने का काम शुरू किया है।

10 दिवसीय पूजा में तीन दिन होगा विशेष

आयोजन समिति के लोगों ने बताया कि 10 दिवसीय पूजा के बीच तीन दिन विशेष नियम किए जाएंगे। इस क्रम में पहले दिन यानी 1 मई को माता का आगमन देर रात पंडाल में होगा। इसके साथ ही उत्सव का भक्तिमय आगाज किया जाएगा। वहीं 7 मई को कुमकुम पूजा की जाएगी। इसमें हर साल कई जोड़े पूजा उत्सव में सहभागी बनते हैं। वहीं 10 मई को दोपहर 12 बजे से माता को महाभोग लगाने की परंपरा निभाई जाएगी। इसके बाद शाम 7 बजे माता की विदाई के लिए भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसमें हजारों की तादाद में भक्त परिवार शामिल होंगे।

राटा संकल्प पूजा से शुरू होगा पूजा विधान

आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 29 अप्रैल को सुबह 8 बजे केंद्रीय विद्यालय के पास स्थित मंदिर में राटा संकल्प पूजा की जाएगी। इसके बाद 1 मई यानी शुक्रवार को शाम 7 बजे धूमधाम से माता का मंदिर से पूजा पंडाल में आगमन होगा। माता के आगमन पर उत्सव का माहौल बनेगा। इसमें पारंपरिक वाद्ययंत्रों और रोड लाइट की चकाचौंध के साथ भक्त माता को मंदिर से पंडाल तक लेकर आएंगे। जहां विधि-विधान से मंत्रोच्चार करते हुए मुख्य पुजारी एवं उनके सहयोगी माता की स्थापना करते हुए भक्तों को पूजा उत्सव में सहभागी बनने का अवसर देंगे।

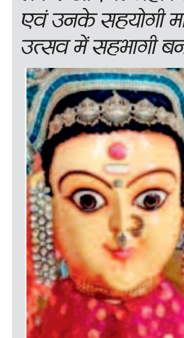

राज्य में पहली बार... जिला अस्पताल में पुराने दर्द का उपचार, कई मरीजों को मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुरानी बीमारी अथवा चोट से मिले ना जाने वाले दर्द से अब जिला अस्पताल में छुटकारा दिलाया जा रहा है। राज्य में पहली बार किसी जिला अस्पताल में संचालित पेन क्लीनिक में निश्चेतना एवं दर्द निवारक चिकित्सा के विशेषज्ञ डाक्टर की नियुक्ति हुई है। मेडिकल एवं इंटरवेशन प्रक्रिया से अभी मरीजों का इलाज किया जा रहा है और आने वाले दिनों में इसमें इस्तेमाल होने वाली आधुनिक सुविधा भी जुटाई जाएगी।

अब तक चिकित्सा महाविद्यालय अथवा निजी अस्पताल में इस तरह की सुविधा मरीजों को दी जाती थी। पहली बार जिला अस्पताल पंडरी में पुरानी पीड़ा सह रहे मरीजों को दर्द निवारक चिकित्सा विभाग द्वारा राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए विभाग में निश्चेतना विशेषज्ञ के रूप में डा. पलक चावड़ा की नियुक्ति की गई है। ऑपरेशन थियेटर के सामने संचालित होने वाले इस पेन क्लीनिक में इलाज के माध्यम से कई मरीजों को राहत मिली है।

डाक्टरों के मुताबिक जब कोई दर्द 3 महीने या उससे अधिक समय तक बना रहता है, तो उसे क्रॉनिक पेन कहा जाता है। यह दर्द किसी चोट, बीमारी, या बिना किसी स्पष्ट कारण के भी हो सकता है। सामान्य प्रकारों में पीठ दर्द, गठिया, माइग्रेन और नसों का दर्द शामिल हैं। क्रॉनिक पेन से पीड़ित व्यक्ति अक्सर थकान, नींद की कमी, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना करता है। कई बार यह दर्द व्यक्ति की कार्यक्षमता को कम कर देता है और उसके दैनिक जीवन को प्रभावित करता है।

जिला अस्पताल में 'पेन क्लीनिक' निश्चेतना विभाग में विशेषज्ञ की नियुक्ति

इन कारणों से होता है क्रानिक पेन

डा. पलक चावड़ा ने बताया कि क्रानिक पेन की समस्या अक्सर उन्हें होती है जिन्हें पुरानी चोट, गठिया या पुरानी बीमारी, नसों की क्षति, मानसिक अवसाद, गलत जीवनशैली जैसे कारणों से भी होता है। इसका इलाज दवाओं के साथ नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, चिकित्सकीय प्रक्रिया यानी दर्द प्रबंधन क्लीनिक की मदद से होता है। उनके मुताबिक अक्सर लोग लंबे समय तक दर्द को नजर अंदाज करते हैं, जिससे समस्या और गंभीर हो जाती है।

जुटाई जाएगी अन्य सुविधा

क्रानिक पेन से पीड़ित ऐसे मरीज जिन्हें अन्य प्रक्रियाओं से राहत नहीं मिलता है ऐसे लोगों का यहां इलाज किया जाएगा। अक्सर हड्डियों से संबंधित बीमारी के मरीज इस तरह की दिक्कतों से जूझते हैं। अभी मेडिकल और इंटरवेशन के माध्यम से इलाज किया जा रहा है, आने वाले दिनों में आवश्यकता के मुताबिक अन्य सुविधा जुटाई जाएगी।

डा. चंद्रा राव, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल पंडरी

खबर संक्षेप

ट्रांसपोर्ट चैंबर का विस्तार नई कार्यकारिणी गठित

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने बताया कि चैंबर के कार्य में सहयोग करने एवं गतिशील बनाने के लिए पदाधिकारियों का विस्तार करते हुए ट्रांसपोर्ट चैंबर का गठन कर हरचरण सिंह साहनी को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि ट्रांसपोर्ट चैंबर का विस्तार करते हुए महामंत्री सुखदेव सिंह सिद्धू, कोषाध्यक्ष दिवाकर अवस्थी, कार्यकारी अध्यक्ष गुरजीत सिंह संधू, रणजीत सिंह वालिया, प्रमुख सलाहकार जसबीर सिंह ढिल्लन, बलजिंदर सिंह, श्रवण कुमार बिश्नोई, उपाध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा, दलविंदर सिंह ढिल्लन, रज्जू भाई मेमन, बनारसी पांडेय, आसिफ मेमन, अमरीक सिंह, जगदीश प्रसाद गुप्ता, विनीत तिवारी, सुनील वरड़िया, जसविंदर सिंह संधू, प्रभनाथ बैठा भिलाई एवं रमाकांत साहू, मंत्री हरिशंकर मिश्रा, हरनीत सिंह संधू (रिम्पल), नीरज बंसल, सैयद आसिफ अली, पवन अग्रवाल, बलवीर सिंह, रोशन शर्मा, याकूब मोकाती एवं मुरारी अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य- रूपक चंद्रवंशी, पिन्टू सिंह, उत्तम जायसवाल, रणजोत सिंह गिल, गुरविंदर सिंह संधावालिया, रोहित कुक्षत्री, जगमिंदर सिंह बल, मनप्रीत सिंह संधावालिया, उमेश वर्मा को मनोनीत किया गया है।

साधना को मिली पीएचडी की उपाधि

रायपुर। बौद्धिक दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए समर्पित साधना नायक को कलिंगा विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि मिली है। श्रीमती नायक लम्बे समय से बौद्धिक दिव्यांग बच्चों को विशेष शिक्षा एवं प्रशिक्षित शिक्षक तैयार करने के कार्य में समर्पित हैं। उन्हें शिक्षा विषय में बौद्धिक दिव्यांग बालकों के कार्यात्मक शैक्षणिक कौशल के विकास व विशेष शिक्षकों के दृष्टिकोण का विश्लेषणात्मक अध्ययन रायपुर जिले के संदर्भ में शीर्षक पर उनके शोध के आधार पर पीएचडी अवार्ड की गई है। श्रीमती नायक ने अपना शोध डॉ. श्रद्धा वर्मा के मार्गदर्शन में पूरा किया।

निधन

बसंत कौर सलूजा

रायपुर। गायत्री नगर ढेबर कॉलोनी निवासी सरदारनी बसंत कौर सलूजा का 17 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेन्द्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. महेंद्र सिंह सलूजा की पत्नी, चरणजीत सिंह सलूजा, गुरमीत सिंह सलूजा की माता एवं रविंद्र सिंह दत्ता, परमजीत सिंह दत्ता की बहन थीं।

शारदा देवी माहेश्वरी

रायपुर। क्रेस्ट ग्रीन रामनगर निवासी शारदा देवी माहेश्वरी का 17 अप्रैल को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 18 अप्रैल को सुबह 11 बजे निवास स्थान से कोटा मुक्तिधाम जाएगी। वे केएन माहेश्वरी की पत्नी, विनीत की माता एवं रौनित की दादी थीं।

मटेरियल के दाम बढ़ने से काम की रफ्तार मंद

युद्ध की आग में झुलसीं दस हजार करोड़ की सड़कें, 30 हजार करोड़ का काम प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अमेरिका, इजरायल और ईरान के युद्ध के कारण कई सेक्टर प्रभावित हो रहे हैं। हर सेक्टर में महंगाई का झटका लग रहा है। ऐसे में प्रदेश में चल रही केंद्र और राज्य सरकार की 30 हजार करोड़ से ज्यादा की योजनाएं प्रभावित हो गई हैं। दस हजार करोड़ की सड़कें भी युद्ध की आग में झुलस गई हैं। इसी के साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के जो करीब 30 हजार करोड़ के काम चल रहे हैं, वो भी प्रभावित हो गए हैं। इन कामों की रफ्तार मंद हो गई है।

देश के साथ अपने प्रदेश में भी केंद्र और राज्य सरकार की कई योजनाएं चल रही हैं। इन योजनाओं पर मटेरियल के दाम बढ़ने का बड़ा असर पड़ा है। ज्यादातर योजनाओं के काम की रफ्तार धीमी हो गई है। जिन योजनाओं में पहले से मटेरियल रखा है, उसको खपाने के लिए काम चल रह है, लेकिन नया मटेरियल लेने से ठेकेदार कतरा रहे हैं क्योंकि मटेरियल के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं और ठेकेदार अब इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार से बात रहे हैं कि उनको बढ़े हुए दाम के हिसाब से अतिरिक्त भुगतान भी होना चाहिए, अन्यथा पुराने रेट पर काम करना संभव नहीं होगा।

पुराने रेट पर काम करना संभव नहीं

डामर के दाम जहां करीब डबल हो गए हैं, वहीं अन्य मटेरियल के दाम भी बहुत बढ़ गए हैं। ऐसे में पुराने रेट पर किसी भी ठेकेदार के लिए काम करना संभव नहीं है। हमने सरकार से बाजार भाव के हिसाब से अंतर का भुगतान करने की मांग रखी है।

- **रूपेश सिंघल,** बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शाखा

डामर ने ऐसा खाया भाव

युद्ध के कारण डामर बहुत ज्यादा भाव खा रहा है। डामर बनाने वाली कंपनियों सरकारी हैं, इसके बाद भी प्रदेश क्या पूरे देश में डामर की कमी हो गई है। डामर की सप्लाई नहीं हो रही है। इसके पीछे का बड़ा कारण यह है कि इसके दाम आसमान छू रहे हैं। युद्ध से पहले जो डामर 50 हजार रुपए टन था, वह अब एक लाख के पार हो गया है। यहीं नहीं इसमें ठेकेदारों को मिलने वाला डिस्काउंट भी बंद हो गया है।

ये सड़कें भी अटकीं

इस समय प्रदेश में सेंट्रल रिजर्व फंड से दो हजार करोड़ की सड़कों का काम चल रहा है। इसी के साथ लोक निर्माण विभाग का तीन हजार करोड़ की सड़कों का काम है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में दो हजार करोड़ से ज्यादा का काम है। इसी के साथ अन्य कामों को मिलाकर करीब दस हजार करोड़ का सड़कों का ही काम चल रहा है। यह सारा काम डामर न मिलने के कारण अटक गया है।

शिक्षा मंडल का भवन भी अटका

नया रायपुर में माध्यमिक शिक्षा मंडल का भवन 36 करोड़ में बनना है। इसका दो माह पहले ही टेंडर किया गया है। लेकिन मटेरियल के दाम आसमान पर जाने के कारण इसका काम भी अटक गया है। इस समय जहां सीमेंट के दाम अचानक से 30 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। वहीं सरिया के दाम भी करीब दस हजार रुपए टन पर बढ़ गए हैं।

खारुन नदी ब्रिज का काम 13 दिन पहले कंपलीट, शुरू हुई सामान्य आवाजाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- पुल को एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक मरम्मत कार्य करने बंद किया गया था
- मरम्मत होने से 35 साल पुराने पुल की अवधि 20 वर्ष बढ़ी

मुंबई-हावड़ा रूट तथा रायपुर से भिलाई को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग कुम्हारी स्थित खारुन ब्रिज में शुक्रवार से सामान्य आवाजाही शुरू हो गयी है। ब्रिज का मरम्मत कार्य करने एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक बंद करने का निर्णय लिया गया था। ब्रिज का मरम्मत कार्य 13 दिन पहले कंपलीट होने पर ब्रिज को सामान्य आवाजाही के लिए खोला गया है। जर्जर हो चुके 35 साल पुराने पुल की बेयरिंग बदली गई और ऊपरी सतह (डामर) का काम हुआ, जिससे इसकी उम्र लगभग 20 साल बढ़ गई है। पुल के चालू होने के बाद रायपुर-दुर्ग के बीच चलने वाले रोजाना लगभग 1.5 लाख वाहनों को जाम से राहत मिलेगी। इसके साथ ही ब्रिज बंद करने के बाद जिन अंदरूनी रास्तों से रायपुर से दुर्ग तथा दुर्ग से रायपुर आवाजाही की जा रही थी, उस क्षेत्र की एक बड़ी आबादी को अपने क्षेत्र में गाड़ियों के अतिरिक्त दबाव से मुक्ति मिलेगी। अब लोगों को रायपुर से दुर्ग आवाजाही करने जो अतिरिक्त समय लगता था, उससे राहत मिलेगी।

बिजनेस साइट

वर्ल्ड लीवर डे पर उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में मेगा स्क्रीनिंग कैंप 23 अप्रैल को

रायपुर। वर्ल्ड लीवर डे के अवसर पर भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा लीवर स्वास्थ्य को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 14 से 19 अप्रैल तक आयोजित पांच दिवसीय अवेयरनेस प्रोग्राम में लोगों को संतुलित जीवनशैली, सही डाइट और नियमित जांच के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में लीवर संबंधी समस्याएं, विशेषकर फैटी लीवर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। शुरुआती चरण में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते, जिससे समय पर पहचान नहीं हो पाती और आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए 23 अप्रैल को निशुल्क मेगा स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किया जा रहा है। कैंप में फाइब्रोस्कैन के माध्यम से फैटी लीवर की जांच, हेपेटाइटिस संक्रमण की जांच, बीएमआई और आरबीएस जैसे प्रारंभिक टेस्ट किए जाएंगे। इसका उद्देश्य लीवर रोगों की समय रहते पहचान कर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।

मां पद्मावती हॉस्पिटल के निशुल्क शिविर में 2500 मरीजों ने कराई जांच

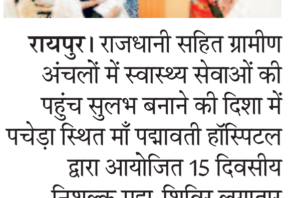

रायपुर। राजधानी सहित ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुलभ बनाने की दिशा में पचेड़ा स्थित माँ पद्मावती हॉस्पिटल द्वारा आयोजित 15 दिवसीय निशुल्क महा-शिविर लगातार प्रभाव छोड़ रहा है। अस्पताल की प्रथम वर्षगांठ पर शुरू हुए इस शिविर में अब तक 2500 से अधिक मरीजों का मुफ्त चेकअप किया जा चुका है, जिससे ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे हैं। दूसरे दिन ही 380 से अधिक लोगों की जांच हुई, जिनमें खून जांच, सोनोग्राफी, सीटी स्कैन, ईसीजी और इको जैसी सुविधाएं शामिल रहीं। 750 बिस्तरों वाला सर्व-सुविधायुक्त अस्पताल राहत दे रहा है। निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा ने बुजुर्ग और गंभीर मरीजों के लिए बड़ी सहूलियत दी है। अस्पताल प्रबंधन ने 'सेवा ही परम धर्म' के संकल्प के साथ शिविर को पूरी तरह कैश काउंटर मुक्त रखा है, जहां पंजीकरण से लेकर दवाइयों और ऑपरेशन तक सब कुछ निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

कोर्स नहीं, स्किल पर फोकस जरूरी : धरमवीर

रायपुर। आईटीएम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के ग्रुप डायरेक्टर धरमवीर धीर ने छात्रों को करियर चयन में सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि आज के दौर में कोर्स से ज्यादा उसमें मिलने वाली स्किल का महत्व है।

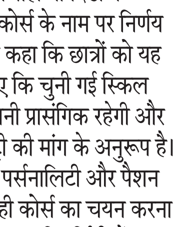

उन्होंने बताया कि 24 वर्षों के काउंसिलिंग अनुभव में वे 2 लाख से अधिक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर चुके हैं, लेकिन अधिकांश छात्र सही मापदंडों के बजाय केवल कोर्स के नाम पर निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को यह समझना चाहिए कि चुनी गई स्किल भविष्य में कितनी प्रासंगिक रहेगी और क्या वह इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप है। अपने इंटरेस्ट, पर्सनालिटी और पैशन के आधार पर ही कोर्स का चयन करना चाहिए। आईटीएम यूनिवर्सिटी में चल रहे काउंसिलिंग प्रोग्राम के तहत छात्रों का विभिन्न पैरामीटर पर मूल्यांकन कर उन्हें उपयुक्त कोर्स सुझाया जा रहा है। आईटीएम के मार्केटिंग हेड मोहन कुमार गौड़ा ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा बीबीए इन बैंकिंग एंड फाइनेंस और हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट जैसे इंडस्ट्री-ओरिएंटेड कोर्स संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें देश-विदेश में इंटर्नशिप के अवसर मिलते हैं।

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने एवं शत प्रतिशत रिजल्ट लाने विशेष ट्रेनिंग ले रहे शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- मिशन उत्कर्ष 2.0 के तहत सभी विषयों पर दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एवं शत-प्रतिशत परिणाम लाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए जिला प्रशासन 'मिशन उत्कर्ष 2.0' अभियान चलाया रहा है। इसके तहत शिक्षकों को सभी विषयों पर विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। इस अभियान की शुरुआत 16 अप्रैल से की गई है, जो 21 तारीख तक चलेगा।

हाईस्कूल स्तर के शिक्षकों को दी जा रही ट्रेनिंग

इस अभियान के तहत हाई स्कूल स्तर के शिक्षकों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का शुभारंभ गुरुवार को जेआर दानी कन्या शाला रायपुर में हुआ है। इस अभियान के तहत हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान एवं गणित विषयों पर शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि उनके माध्यम से विद्यार्थियों को भी इसका लाभ मिले, ताकि परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हो पाएं। जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य नवीन ब्लूप्रिंट की समझ विकसित करना है। उन्होंने ब्लूप्रिंट आधारित प्रश्न पत्र निर्माण, जटिल अवधारणाओं को सरल तरीके से समझाने एवं गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति को अपनाने पर बल दिया। डीपीसी अरुण शर्मा ने शिक्षण को सरल एवं प्रभावी बनाने के लिए नवीन एवं व्यवहारिक तरीकों के उपयोग पर जोर दिया। वहीं नोडल अधिकारी निशा शर्मा ने कक्षा पूर्व तैयारी, विद्यार्थियों के स्तर के अनुसार शिक्षण विधियों के चयन एवं सरल शिक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ऑडियो-वीडियो, पीपीटी एवं नवाचारपूर्ण तरीकों के माध्यम से विषयवार प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान शिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा की गई।

गरीबों के आशियाने का पौन करोड़ गबन करने वाले कियोस्क सेंटर संचालक को बेटे सहित एसबी ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने गरीबों के आशियाने का 79 लाख रुपए हड़पने के आरोप में एक कियोस्क संचालक के बेटे को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कोरबा जिले में इंदिरा आवास योजना के नाम पर दी जाने वाली राशि को आधार इनेबल्ड सिस्टम के माध्यम से अपने अकाउंट में ट्रांसफर कर ठगी की थी। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ एसीबी, ईओडब्ल्यू ने आईपीसी की धारा 420, 421, 409, 120(बी) तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। जांच एजेंसी ने ठगी के आरोप में कोरबा निवासी बैंक ऑफ इंडिया कियोस्क संचालक गौरव शुक्ला तथा उसके बेटे सुधीर शुक्ला को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को कोरबा विशेष कोर्ट में पेश कर जांच एजेंसी ने 21 अप्रैल तक पुलिस रिमांड हासिल की है। जांच एजेंसी द्वारा जारी बयान के अनुसार कोरबा जिले में वर्ष 2010-11 में गरीबों के आवास के लिए इंदिरा आवास योजना अंतर्गत राशि आई थी। दोनों पिता पुत्र ने मिलकर उस राशि को वर्ष 2017 में अपने खाते में स्थानांतरित कर गबन किया।

निष्क्रिय खातों के पैसों में की गड़बड़ी

आवास योजना अंतर्गत प्राप्त सहायता राशि के हितग्राहियों के खातों जिनमें अधिकतर खाते निष्क्रिय थे, उन अकाउंट को बैंक कर्मचारियों की स्टाफ आईडी का दुरुपयोग करते हुए सक्रिय कराया और हितग्राहियों के आधार कार्ड को अपने स्वयं के, अपने पिता, माता, पत्नी एवं बेटा के आधार नंबरों से सीड किया। इस प्रकार आधार इनेबल्ड सिस्टम के माध्यम (एईपीएस) से कियोस्क संचालक के बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से हितग्राहियों की राशि सीधे आरोपी के खातों में स्थानांतरित होती रही।

एनएसयूआई ने की छात्रसंघ चुनाव बहाली की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- उग्र आंदोलन की चेतावनी

छत्तीसगढ़ के समस्त महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव की तत्काल बहाली की मांग को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा किए जा रहे चरणबद्ध आंदोलन ने अब एक निर्णायक और उग्र रूप ले लिया है। अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और छात्रसंघ व्यवस्था को पुनः लागू करवाने के लिए शांतिपूर्ण ढंग से उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा को ज्ञापन सौंपने जा रहे आंदोलनरत छात्रों को शासन-प्रशासन ने भारी पुलिस बल लगाकर और बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया।

लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव न होने के कारण प्रदेशभर के छात्रों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसी के विरोध में एनएसयूआई द्वारा उच्च शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित कर 5 सूत्रीय प्रमुख मांगें रखी गई हैं, जिनमें तत्काल चुनाव बहाली, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया, तिथियों की शीघ्र घोषणा और छात्र प्रतिनिधियों को मान्यता देने की मांग शामिल है।

ये मांगें

छात्रसंघ चुनाव पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराए जाएं।
चुनाव कार्यक्रम (तिथि एवं संपूर्ण प्रक्रिया) की अविलंब घोषणा की जाए।
छात्रहितों की रक्षा के लिए चुने गए छात्र प्रतिनिधियों को तत्काल अधिकार एवं मान्यता प्रदान की जाए।
शिक्षण संस्थानों में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए छात्र संघ व्यवस्था को पुनः पूरी गरिमा के साथ लागू किया जाए।

सरकार की दमनकारी नीति

शांतिपूर्ण प्रदर्शन को पुलिस बल द्वारा कुचले जाने के प्रयास पर सख्त और आक्रामक रुख अपनाते हुए एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर और अहंकार में डूबी यह सरकार पुलिस के डंडों और बैरिकेड्स के दम पर छात्रों की बुलंद आवाज को दबाना चाहती है, लेकिन उन्हें यह मुगालता नहीं पालना चाहिए कि हम पीछे हटेंगे। छात्रसंघ चुनाव हमारा संवैधानिक और मौलिक अधिकार है, सरकार की दी हुई कोई खैरात नहीं। एनएसयूआई रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने कहा कि प्रदेश के सभी महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव की तत्काल बहाली की जाए। यदि छात्रों की इन न्यायपूर्ण और जायज मांगों की अनदेखी की गई और तत्काल आवश्यक निर्देश जारी नहीं किए गए तो हम अपने अधिकारों को छीनकर लेने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान मुख्य रूप से एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा, प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल, शहर जिलाध्यक्ष शांतनु झा, प्रदेश महामंत्री निखिल वंजारी, विशाल कुकरेजा, वैभव मुजेवर, पूणेश्वर लहरे, मोनू तिवारी, शिवांक सिंह, प्रशांत चंद्राकर, तारिक अनवर, दिव्यांशु, प्रियांशु सहित सैकड़ों छात्र नेता मौजूद रहे।

पेज 3 के शेष

हॉल्ट स्टेशनों पर उबल ...

लगे स्टेशनों का जायजा लिया। डब्लूआरएस और सरस्वती नगर स्टेशन में रोजाना 300 से 400 यात्रियों की आवाजाही होती है, लेकिन इन स्टेशनों पर यात्रियों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। खास बात यह है कि अभी तक यहां पानी का कनेक्शन भी नहीं पहुंच पाया है। रेलवे ने गर्मी को देखते हुए यात्रियों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की है। स्थिति यह है कि यात्री दोपहर की तेज धूप में पानी के लिए तरस रहे हैं।

विंग कमांडर की खुदकुशी...

देने गई, तब विंग कमांडर को उसने फांसी के फंदे पर लटकते देखा। इसके बाद काम वाली बाई ने पड़ोसियों की मदद से पुलिस को घटना की जानकारी दी। विंग कमांडर ने अर्जिता के साथ वर्ष 2014 में लव मैरिज की थी। मृतक के पिता ने आरोप लगाया है कि विवाह के बाद से ही विपुल को उसकी पत्नी अपमानित करने के साथ प्रताड़ित करती थी, जिससे विपुल मानसिक रूप से परेशान रहता था।

मारपीट और पैसे की मांग करने...

गया। इससे उनकी मानसिक स्थिति और बिगड़ी। पत्नी से बात नहीं हो पाने पर विपुल द्वारा तनाव में आकर खुदकुशी किए जाने की बात सामने आई है।

मेडिकल सहित आधा दर्जन काउंसिल का आयुष विवि बनेगा नया ठिकाना, शासन ने जारी किया आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग-अलग स्थानों में संचालित होने वाले मेडिकल समेत अन्य काउंसिल का संचालन अब एक ही स्थान यानी आयुष विवि परिसर में होगा। इन्हें विवि के महामारी संस्थान के भूतल में अलग-अलग कक्ष का आवंटन किया गया है। शासन ने आदेश जारी कर सभी काउंसिल को अपने नए पते पर शीघ्र शिफ्ट होने का आदेश भी दिया है। शिफ्टिंग के बाद काउंसिल विवि के आडिटोरियम, लाइब्रेरी, कांफ्रेंस हॉल का उपयोग कर सकेंगे।

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल, छत्तीसगढ़ आयुष काउंसिल, छत्तीसगढ़ नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल, छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल, छत्तीसगढ़ डेंटल काउंसिल तथा छत्तीसगढ़ एलायड हेल्थ काउंसिल को आयुष विवि के महामारी संस्थान के भवन में कक्ष आवंटित किया है। सभी संस्थान वर्तमान में राजधानी के अलग-अलग स्थानों पर संचालित हो रहे थे। इनमें छत्तीसगढ़ मेडिकल काउंसिल और फार्मेसी काउंसिल का संचालन किराए के भवन में हो रहा था।

व्यवस्थागत कारणों को ध्यान में रखते हुए शासन द्वारा सभी काउंसिल को एक ही स्थान पर लाने की मंशा काफी समय पहले जाहिर कर दी गई थी। इसके लिए काफी चिंतन-मनन के बाद पंडित दीनदयाल स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय की बिल्डिंग को उपयुक्त माना गया था। इनमें सभी काउंसिल के रजिस्ट्रार के लिए पृथक कक्ष के अलावा सीजीएमसी को चार तथा अन्य काउंसिल को एक-एक कक्ष का आवंटन किया गया है।

विवि के महामारी संस्थान के भूतल में किया गया कक्ष आवंटित, शीघ्र शिफ्टिंग भी

कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाएं

जूनियर डाक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. रेशम सिंह ने कहा कि मेडिकल काउंसिल को नए स्थान पर शिफ्टिंग के साथ वहां पर्याप्त संख्या में कर्मचारी बढ़ाने की आवश्यकता है। मेडिकल काउंसिल में अपना पंजीयन कराने के लिए राज्यभर से डाक्टर आते हैं। तात्यापारा के पुराने भवन में फैली अव्यवस्था पर पिछले दिनों जूनियर डाक्टर एसोसिएशन और सीजीडीएफ ने आवाज उठाया था। इस दौरान वहां के छोटे कमरे और मौजूद गिनती के कर्मचारियों की व्यवस्था पर नाराजगी जताई थी।

मूलभूत सुविधा जुटाना जरूरी

कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डा. राकेश गुप्ता ने कहा कि शिफ्टिंग की चर्चा काफी समय से चल रही थी। इससे आयुष विवि के खाली भवन का उपयोग होगा मगर शासन को वहां तत्काल फोटो, बैंक के साथ परिवहन का पुख्ता इंतजाम करना होगा। सभी काउंसिल में प्रदेशभर से छात्र और अन्य लोगों की आवाजाही होती है। साथ इन काउंसिल में काम करने वाले कर्मचारियों को भी नियमित आवागमन के लिए साधन उपलब्ध कराने की शीघ्र की आवश्यकता होगी।

खबर संक्षेप

अज्ञात बदमाशों ने दो पर किया चाकू से हमला

रायपुर। सामान छोड़कर जा रहे एक व्यक्ति ने स्कूटी सवार तीन बदमाशों के खिलाफ चाकू से हमला करने की रिपोर्ट राखी थाने में दर्ज कराई है। राकेश गिलहरे ने मारपीट तथा चाकू से हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। राकेश ने पुलिस को बताया कि वह तथा उसका साथी भोला ध्रुव दल्ली राजहरा से सामान छोड़कर लौट रहे थे। तेंदुआ के पास स्कूटी सवार बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लिया। गाड़ी रोकने के बाद बदमाशों ने राकेश तथा उसके साथी के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर उनके ऊपर चाकू से हमला कर मौके से फरार हो गए।

ढाबा में मामूली विवाद के बाद चाकू से हमला

रायपुर। धरसींवा थाने में एक ढाबा कर्मचारी ने दो युवक तथा उसके साथियों के खिलाफ मामली विवाद पर मारपीट करने तथा चाकू से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। धनेली स्थित श्याम ढाबा में काम करने वाले कर्मचारी डिगेश्वर कोसरिया ने दिलीप साहू उर्फ भुरू और राजू यादव तथा उनके साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। डिगेश्वर ने पुलिस को बताया कि खाना खाने के बाद राजू पान ठेला की ओर गया, जहां कुछ युवकों के बीच विवाद शुरू हो गया। इस दौरान एक बदमाश ने चाकू निकाल लिया और जिनके साथ बदमाश विवाद कर रहे थे, उनमें से एक युवक पर दिलीप ने चाकू से हमला किया और अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया।

हेरोइन चिट्टा बरामद आरोपी युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजेंद्र नगरपुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक युवक के कब्जे से 70 हजार रुपए कीमत की सात ग्राम हेरोइन चिट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। हेरोइन चिट्टा के साथ पुलिस ने राजेंद्र नगर निवासी सौरभ ठाकुर को गिरफ्तार किया है। सौरभ मेडिशाइन अस्पताल के पास हेरोइन चिट्टा बिक्री करने ग्राहक तलाश रहा था। इस दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर सौरभ को गिरफ्तार किया।

सालभर में जिला खनिज विभाग की कार्रवाई

अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के 944 प्रकरण, वसूले साढ़े 3 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में रेत, मुरुम, चूना पत्थर सहित अन्य खनिज सामग्री का अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के 944 प्रकरण खनिज विभाग ने पिछले एक वर्ष में दर्ज किए हैं। इन प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए विभाग ने 5 करोड़ 56 लाख से अधिक रकम समझौता राशि के रूप में वसूल की है। इसी प्रकार सालभर में विभाग को खनिज सामग्री में रियायत फीस, किराया और रायल्टी के रूप में 99 करोड़ 77 लाख रुपए की आय हुई है। इस तरह कार्रवाई और राजस्व के रूप में एक वर्ष में विभाग ने 105 करोड़ 33 लाख से अधिक कमाई की है।

फाईल फोटो

मुरुम के 28 एवं रेत के 22 प्रकरण दर्ज

आंकड़ों के अनुसार जिले में अवैध उत्खनन के कुल 54 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इनमें सर्वाधिक 28 मुरुम के प्रकरण दर्ज है। इन प्रकरणों में 24 लाख 92 हजार रुपए की समझौता राशि वसूल की गई है। इसी प्रकार रेत उत्खनन के 22 प्रकरण में 38 लाख 36 हजार रुपए की राशि तथा मिट्टी के 4 प्रकरण में 1 लाख 43 हजार रुपए विभाग ने वसूल किया है।

अवैध रेत परिवहन के सबसे अधिक प्रकरण दर्ज

विभाग के जिला अधिकारी राजेश मालवे ने बताया कि इस बार अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्ती बरती गई है, जिसका परिणाम है कि कार्रवाई भी जमकर की गई है। इस कार्रवाई के साथ समझौता राशि के रूप में जुर्माना भी साढ़े पांच करोड़ से अधिक वसूला है। विभाग से मिले आकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा कार्रवाई खनिज सामग्रियों के अवैध परिवहन पर की गई है। इनमें सबसे अधिक रेत के 554 प्रकरण दर्ज किए गए है। इन प्रकरणों में समझौता राशि भी सबसे अधिक 1 करोड़ 57 लाख रुपए वसूले हैं। इसी प्रकार चूना पत्थर के 132, मुरुम 106, कोयला 9, मिट्टी, 9, फर्शीपत्थर 8, ईंट 7 एवं डस्ट एवं बोल्डर के 1-1 प्रकरण शामिल है। इन प्रकरणों में भी चूनापत्थर से 46 लाख 57 हजार, मुरुम में 29 लाख 7 हजार, कोयला 11 लाख 85 हजार, मिट्टी से 2 लाख 19 हजार, डस्ट से 33 हजार, बोल्डर से 33 हजार, फर्शीपत्थर से 1 लाख 71 हजार एवं ईंट से 1 लाख 34 हजार रुपए समझौता राशि वसूल की गई है।

टारगेट का 10 प्रतिशत अधिक राजस्व

जिले को वर्ष 2025 में 90 करोड़ रुपए राजस्व का टारगेट मिला था। इस टारगेट से लगभग 10 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।

- राजेश मालवे
जिला अधिकारी
खनिज विभाग

अवैध भंडारण में रेत के 61 प्रकरण दर्ज, 39 लाख रुपए वसूले

अवैध भंडारण में सबसे अधिक प्रकरण रेत के है। सालभर में विभाग ने 61 अवैध रेत भंडारण के प्रकरणों में कार्रवाई कर 39 लाख 11 हजार रुपए की राशि वसूल की है। इसके अलावा चूनापत्थर के 2 प्रकरण में कार्रवाई कर 2 लाख 10 हजार रुपए समझौता राशि वसूल किया है। इसके अलावा कई प्रकरण ऐसे भी हैं, जिनके अवैध रूप से रेत भंडारण करने वालों की पहचान नहीं हो पाई। इन प्रकरणों में सिर्फ रेत जब्ती बनाकर संबंधित ग्राम पंचायतों के सुपुर्द करने की कार्यवाही की गई है।

लक्ष्य से 9 करोड़ 77 लाख अधिक आय

खनिज विभाग ने राजस्व के रूप में 99 करोड़ 77 लाख रुपए से अधिक की आय हुई है, जबकि लक्ष्य 90 करोड़ रुपए का दिया गया था। इस तरह लक्ष्य की तुलना में 9 करोड़ 77 लाख रुपए की अधिक आय हुई है। यह आय खनिज सामग्रियों की नीलामी, रियायत फीस, किराया, रायल्टी, अर्थदंड, राजसात के माध्यम से हुई है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य आयोजन की तैयारी

- द्विशताब्दी गौरव : हिंदी पत्रकारिता का उत्सव मनाएगा रायपुर प्रेस क्लब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब ने इसे भव्य उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में प्रेस क्लब की कार्यकारिणी द्वारा पूर्व में पारित प्रस्ताव के अनुरूप शुक्रवार को बैठक के दौरान कार्यक्रम की प्रारंभिक तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि हिंदी पत्रकारिता दिवस के इस विशेष अवसर को यादगार बनाने के लिए क्लब द्वारा व्यापक स्तर पर आयोजन किया जाएगा। हिंदी पत्रकारिता की समृद्ध परंपरा और योगदान को सम्मान देने इस आयोजन को उत्सव के रूप में मनाया जाएगा।

ई-चालान के विरोध में उतरा यातायात महासंघ, परिवहन आयुक्त को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ प्रदेश सहित देशभर में ई-चालान के माध्यम से वाहन संचालकों पर की जा रही कार्रवाई के विरोध में उतर आया है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अनवर अली ने ई-चालान पर रोक लगाए जाने की मांग करते हुए परिवहन विभाग के आयुक्त को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने बिना सुनवाई के जारी किए गए समस्त ई-चालानों को निरस्त किया जाए, स्पष्ट एवं विधिसम्मत नियमावली जारी हो, जिससे बिना सुनवाई अवसर दिए किसी भी वाहन मालिक के विरुद्ध जुर्माना एवं पेनाल्टी नहीं लगाया जाए तथा ई-चालान की राशि का भुगतान करने पर ही परमिट, फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं कर जमा होगा के नियम पर तत्काल रोक लगाई जाए।

फर्जी वेबसाइट से ठगी के शिकार हो रहे वाहन मालिक

इस पत्र के माध्यम से अनवर अली ने परिवहन आयुक्त को यह भी अवगत कराया है कि ई-चालान प्रक्रिया के कारण कई फर्जी वेबसाइट ओर लिंक के माध्यम से ठगी भी होने लगी है। वाहन मालिकों को मोबाइल पर लिंक भेजकर भुगतान करने के लिए कहा जा रहा है। इस ठगी के कई लोग शिकार भी हो चुके हैं। इसलिए ई-चालान की प्रक्रिया को पूर्ण रूप से बंद होना चाहिए।

बस संचालन के व्यवसाय पर असर, घाटा हो रहा

उन्होंने यह भी कहा कि यात्री बसें प्रदेश के अन्य जिलों के अलावा दूसरे राज्यों तक चलती है। बस जिस-जिस राज्य से गुजरती हैं, उन-उन राज्यों के परिवहन व यातायात अधिकारियों तथा मार्ग के पुलिस थानों के द्वारा ऑनलाईन चालान किया जाता है। इस तरह प्रतिदिन लगभग 5 से 7 हजार रुपए का चालान काटा जा रहा है, जिसके कारण बस संचालन का व्यवसाय अलाभप्रद हो गया है।

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि देश में विभिन्न प्रकार के यातायात के साधन प्रचलित हैं, जिनमें यात्री वाहन में बस, टैक्सी, ऑटो रिक्शा, ट्रैवलर है, वहीं मालवाहक में मेटाडोर, ट्रक सहित अन्य वाहन है। व्यक्तिगत उपयोग के लिए टू-व्हीलर फोर-व्हीलर भी है। पिछले 5 वर्षों से यह देखा जा रहा है कि परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलती वाहन के पीछे से फोटो लेकर ई-चालान जारी किया जा रहा है। उक्त चालान में एक निश्चित राशि अंकित कर सीधे आम जनता से वसूली के लिए दबाव भी बनाया जा रहा है।

वार्डों स्वच्छता बनाए रखने लगातार अभियान चलाने के निर्देश

रायपुर। जोन 3 कमिश्नर प्रीति सिंह ने शुक्रवार को अपने दफ्तर में बैठक लेकर वार्डों में स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 अभियान की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने बैठक में उपस्थिति अधिकारियों को स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए पुख्ता तैयारी करने के निर्देश दिए. साथ ही सिटी प्रोफाइल के अनुसार स्थलों पर लगातार स्वच्छता बनाए रखने के लिए अभियान चलाने निर्देशित किया। उन्होंने 1 मई से होने वाले राज्य व्यापी सुशासन तिहार के पूर्व 30 अप्रैल तक सभी जनसमस्याओं का शत- प्रतिशत निराकरण करने के भी निर्देश दिए।

कान्हा में आईलैंड बनाने का झांसा देकर 1.15 करोड़ की ठगी

- बिलासपुर कोर्ट ने बिल्डर तथा उसके साथी की याचिका खारिज की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मध्यप्रदेश स्थित कान्हा किसली में आईलैंड बनाने का झांसा देकर 1.15 करोड़ की ठगी करने के आरोपी पेशे से बिल्डर बिलासपुर निवासी दीपेंद्र पाढ़ी, उसके साथी कुसुमाकार राव भोंसले की कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी है। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश अनिल प्रभात मिंज की कोर्ट हुई है। दोनों के खिलाफ रायपुर निवासी विशाल सिंह ने बिलासपुर सिविल लाइंस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

विशाल सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि दीपेंद्र तथा उसका साथी परिचित होने का फायदा उठाते हुए कान्हा किसली में आईलैंड बनाने पैसों की जरूरत पड़ने की बात कह कर किस्तों में रुपए लिए। पैसों की मांग करने पर आरोपी पैसा देने में टालमटोल करने लगे। दबाव बनाने पर आरोपियों ने विशाल सिंह के खिलाफ अपहरण करने का झूठा केस दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए निचली अदालत भी जमानत याचिका खारिज कर चुकी है। निचली अदालत में याचिका खारिज होने के बाद आरोपियों ने अपर सत्र न्यायाधीश की कोर्ट में जमानत आवेदन पेश किया था।

तीन साल में आकार नहीं ले पाया क्रिटिकल केयर यूनिट, एम्स के मरीजों की स्थिति अभी भी गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

सौ करोड़ की लागत से एम्स में बनाया जाने वाला क्रिटिकल केयर यूनिट तीन साल में भी पूरा नहीं हो पाया है। इसकी वजह से अधिक दबाव होने के कारण मरीजों को इलाज के लिए दूसरे सरकारी अस्पताल भेजना ही पड़ रहा है। इस भवन के निर्माण के लिए जनवरी तक का समय दिया गया था जो बीत चुका है और इसमें सालभर और लगने की संभावना है। डेढ़ सौ बेड की क्षमता वाले इस यूनिट में ज्यादा मरीजों का इलाज संभव होगा।

लगातार बढ़ रहे मरीजों के दबाव की वजह से विभिन्न विभाग के वार्डों की तरह यहां के इमरजेंसी एंड ट्रामा में मौजूद सवा सौ बेड कम पड़ने लगे हैं। कई बार स्थिति यह बनती है कि मरीजों का इलाज स्ट्रेचर पर करना पड़ता है। वहीं इलाज के बाद हालत सामान्य होने पर उन्हें आंबेडकर अथवा डीके अस्पताल रेफर करना पड़ता है और यह प्रक्रिया अनवरत जारी है। गंभीर स्थिति वाले ज्यादा मरीजों का इलाज करने यहां करीब सौ करोड़ की लागत से डेढ़ सौ बेड का नया क्रिटिकल केयर यूनिट बनाने की योजना बनाई थी। जुलाई 2023 में तात्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने प्रस्तावित पांच मंजिला भवन बनाने के लिए भूमिपूजन किया था। सूत्रों के मुताबिक इस भवन का निर्माण जनवरी माह में पूरा हो जाना था मगर ऐसा नहीं हुआ है। भवन को पूरी तरह तैयार होकर क्रिटिकल केयर यूनिट का रूप में लेने में सालभर का वक्त लग सकता है। जानकारों का कहना है कि अपनी बीमारी लेकर एम्स की ओपीडी में जाने वाले मरीजों का इलाज देर सवेरे पूरा हो जाता है। समस्या गंभीर स्थिति में इमरजेंसी युनिट में आने वाले मरीजों को होती है। आपात चिकित्सा की आस लेकर आने वाले मरीजों को यहां जरूरी इलाज की प्राथमिक सुविधा दी जाती है। बाद में हालत स्थिर होने के बाद आगे के उपचार के लिए उन्हें दूसरे अस्पताल रवाना कर दिया जाता है।

आधुनिक सुविधा देने की योजना

एम्स से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक बनने वाले नए क्रिटिकल केयर यूनिट में मरीजों के लिए डेढ़ सौ बेड का इंतजाम होगा। इसके अलावा आपात स्थिति वाले मरीजों के लिए सीटी स्कैन, एमआरआई, एक्सरे सहित विभिन्न जांच की व्यवस्था होगी। इस सुविधा के बाद क्षमता का विस्तार होगा और बेड की कमी के कारण मरीजों को दूसरे अस्पताल भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सौ करोड़ की लागत से बनना है डेढ़ सौ बेड की पांच मंजिला बिल्डिंग

योजना पूर्ण होने की मियाद पूरी, अभी भी सालभर का समय लगने के आसार

जरूरत संसाधनों के विस्तार की

छत्तीसगढ़ समेत आसपास के राज्यों के मरीजों का बोझ संभाल रहे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मौजूदा संसाधन के विस्तार की आवश्यकता भी है। मरीज ज्यादा होने की वजह से यहां पैथोलॉजी से लेकर रेडियो डायग्नोसिस तक सारी जांच करवाने में मरीजों के पसीने छूट जाते है। उन्हें जांच अथवा उसकी रिपोर्ट लेने में काफी समय बीत जाता है।

खबर संक्षेप

पंजाबी सनातन सभा महिला मंडल ने संभाला कार्यभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा महिला मंडल की नवनिर्वाचित अध्यक्ष अलका मोदी, उपाध्यक्ष बिंदु बग्गा, सचिव उमा डूडेजा, कोषाध्यक्ष रजनी गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारियों ने वृंदावन हॉल में आयोजित समारोह में विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। इनका कार्यकाल 3 वर्षों का है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अलका मोदी ने नारी सशक्तिकरण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहने का संकल्प लिया। उन्होंने सदस्यों को बैसाखी पर्व की बधाई दी।

डॉ. उत्कर्ष को ब्रिटिश पार्लियामेंट में अंतरराष्ट्रीय सम्मान

रायपुर। वर्ल्ड होम्योपैथी समिट-4 के अवसर पर ब्रिटिश पार्लियामेंट में आयोजित भव्य समारोह में राजधानी के प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न स्थानों के 100 होम्योपैथी चिकित्सकों एवं विदेशों से आए 25 चिकित्सकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। विशेष रूप से प्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. नीतीश चंद्र दुबे की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्रिटिश संसद के सदस्य लॉर्ड रावल एवं शिवानी राजा उपस्थित रहे। साथ ही इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक, इयोन मॉर्गन, स्टुअर्ट ब्रॉड, जोनाथन ट्रॉट एवं डेविड ग्रोवर जैसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने समारोह को विशेष बना दिया। इस दौरान डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी ने ऑक्सफोर्ड में स्किन डिजीज विषय पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान भी दिया। जिसमें उन्होंने होम्योपैथी के माध्यम से त्वचा रोगों के प्रभावी उपचार और उसके वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके इस व्याख्यान को उपस्थित विशेषज्ञों द्वारा सराहा गया।

परसदा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रायपुर। राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र मुंबई के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ग्राम परसदा में स्वास्थ्य शिविर एवं जन जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। सरपंच प्रीत कुमार जांगड़े एवं राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रशिक्षण संस्थान मुंबई से डॉक्टर सोनल, राज्य प्रशिक्षण केंद्र से केश अवस्थी गाइड के रूप मे उपस्थित रही। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें विभिन्न रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करना था। ग्रामीणों को मौखिक स्वास्थ्य, तंबाकू एवं शराब के दुष्प्रभाव, स्वच्छता, पोषण, एचपीवी टीकाकरण एवं खुजली ,पर्सनल हाइजीन सामान्य बीमारियों की रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई। स्वास्थ्य शिविर में आए लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया, जिसमें रक्तचाप , वजन, एवं अन्य प्राथमिक जांच शामिल थी। जिसमे जिला से डॉक्टर प्रज्ञा, दंत चिकित्सक कंचन उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान तंबाकू त्याग के लिए शपथ भी दिलाई गई।

रायपुर शहर को आकस्मिक आगजनी से बचाने 4 ए-क्लास फायर स्टेशन बनाने की योजना

शहर के चारों कोनों में फायर स्टेशन बनाने 10 करोड़ से ज्यादा की स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

2 साल में सिर्फ एक जगह बन पाया फायर स्टेशन, 1 जगह निर्माणाधीन, 2 जगह स्टेशन बनाने जमीन नहीं मिली

खास खबर

आबादी के हिसाब से रायपुर शहर को आकस्मिक आगजनी की घटनाओं से बचाने शहर के चार अलग-अलग कोनों में फायर स्टेशन बनाने की योजना रही, इसके लिए 2 साल पहले 10 करोड़ से ज्यादा की राशि की स्वीकृति मिली, लेकिन इन दो सालों में सिर्फ एक जगह फायर स्टेशन बन पाया है। 2 जगह स्टेशन बनाने जमीन नही मिली और एक जगह फायर स्टेशन बनाने का काम निर्माणाधीन है।

देश के दस लाख से अधिक आबादी वाले शहर में शामिल रायपुर को चार स्थानों पर ए-क्लास फायर स्टेशन बनाये जाने 10 करोड़ से ज्यादा की राशि मिली। प्रोजेक्ट के हिसाब से 4 अलग-अलग दिशाओं में सर्व सुविधायुक्त फायर स्टेशन का निर्माण होना था। इनमें से नवा रायपुर में फायर स्टेशन बनकर तैयार है। यहां 6 गाड़ियां स्टेशन में तैयार खड़ी रहती हैं। वहीं दूसरा फायर स्टेशन शहर से लगे औद्योगिक इलाके उरला में मेटल पार्क के पास बन रहा है, यहां 70 से 75 फीसदी निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। निर्माण शुरू हुए एक साल से अधिक का समय हो चुका है। इस फायर स्टेशन के निर्माण से भनपुरी, उरला, सिलतरा, गोंदवारा सहित आसपास के क्षेत्रों में लगी औद्योगिक इकाइयों और रहवासी इलाके को आकस्मिक आगजनी की घटनाओं से बचाने में आसानी होगी।

फाइल फोटो

सबसे ज्यादा आगजनी की घटनाएं मार्च से मई माह में

सूत्रों के मुताबिक राजधानी सहित आसपास के क्षेत्रों में सर्वाधिक आगजनी की घटनाएं मार्च से लेकर अप्रैल-मई माह में देखने में सामने आई है। तीन सालों में 33 सौ से अधिक छोटी-बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। सबसे ज्यादा बड़े अग्निकांड औद्योगिक क्षेत्रों में घटित हुए हैं।

2 जगह फायर स्टेशन बनाने जमीन नहीं मिली

राजधानी के तेलीबांधा थाना के पास या पंडरी के पुराना बसस्टैंड के पास फायर स्टेशन बनाने जमीन की मांग की गई है। सूत्रों के मुताबिक अब तक जमीन का आवंटन नहीं हो पाया है। इसके कारण फायर स्टेशन निर्माण का कार्य लंबित है। इसी तरह टाटीबंध इलाके में भी फायर स्टेशन के लिए जमीन देने लिखा गया है, आवंटन नहीं होने से निर्माण शुरू नहीं हो सका है, जबकि फायर स्टेशन बनाने करोड़ों की राशि स्वीकृत है।

एक माह बाद खुला मोवा अंडरब्रिज, गाड़ियां चलते ही उखड़ने लगी सीमेंट, उड़ रही धूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित मोवा रेलवे अंडरब्रिज मरम्मत के लगभग एक महीने बाद आवागमन के लिए खोल दिया गया है। अंडरब्रिज के खुलने के बाद ब्रिज के अंदर गाड़ियों के गुजरते ही घटिया सड़क निर्माण कार्य की पोल भी खुल गई।

सड़क पर कंक्रीटीकरण का कार्य तो किया गया है, लेकिन बजरी में सीमेंट की मात्रा इतनी कम मिलाई गई है कि सड़क पर झाड़ू लगाते ही सीमेंट और बजरी दोनों उखड़ने लगी हैं। इससे सड़क पर वाहन गुजरते ही धूल भी उड़ रही है, जिससे वाहन चालक भी परेशान हो रहे हैं।

घटिया निर्माण कार्य की खुली पोल

सोशल मीडिया में विडियो वायरल

रेलवे अंडरब्रिज सड़क की गुणवत्ता की जांच करने के बाद अफरोज ख्वाजा ने इस घटिया नवीनीकरण कार्य का विडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल भी किया है। इस विडियो में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि सड़क नवीनीकरण का कार्य किस स्तर का हुआ है।

12 लाख का टेंडर

विभागीय सूत्रों से पता चला है कि इस अंडरब्रिज सीसी रोड की मरम्मत के लिए 12 लाख में टेंडर दिया गया था। ठेकेदार ने टेंडर के अनुसार रोड का नवीनीकरण का कार्य तो कराया है, लेकिन गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा। हालांकि यह भी जानकारी सामने आई है कि रोड बनने के बाद तराई का काम ठीक से नहीं किया है। इसके कारण सड़क बनने के कुछ घंटों में ही उखड़ने भी लगी है।

मरम्मत कार्य के कारण 13 मार्च से बंद था मोवा रेलवे अंडरब्रिज

मोवा अंडरब्रिज की सड़क मरम्मत का कार्य 13 मार्च से शुरू हुआ। इस दिन से ही ब्रिज को आवागमन के लिए बंद कर दिया गया था। सड़क निर्माण का कार्य एक-दो दिन पहले ही पूर्ण हुआ है। इसके बाद ब्रिज को आवागमन के लिए खोला गया है। ब्रिज के खुलते ही लोगों को आवागमन में राहत मिली है, लेकिन नवीनीकरण का कार्य जिस तरह से हुआ है, उसके कारण वाहन सवार परेशान भी हो रहे हैं। सड़क पर वाहन गुजरते ही धूल उड़ रही है। इस घटिया निर्माण की जानकारी मिलने पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संरक्षण आयोग के प्रदेश मीडिया प्रभारी अफरोज ख्वाजा ने इस सड़क पर झाड़ू लगाकर इसकी गुणवत्ता को भी परखा। झाड़ू लगाते ही सड़क पर बजरी का ढेर लग गया, वहीं सीमेंट धूल बनकर उड़ने लगी। अफरोज ख्वाजा ने झाड़ू लगाने के बाद सड़क पर पानी डालकर भी इसका निरीक्षण किया। पानी डालते ही सीमेंट का नामो निशान गायब हो गया और सड़क पर सिर्फ गिट्टी दिखने लगी।

दिसंबर 2025 के पूर्व जिनका ई-चालान कटा है उनका निराकरण लोक अदालत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दिसंबर 2025 के पूर्व लंबित ई-चालान वाले वाहन स्वामियों के लिए राहत की खबर है। यातायात विभाग, पुलिस कमिश्नरेट ने ऐसे मामलों के निराकरण के लिए मई माह में आयोजित होने वाली लोक अदालत का सहारा लेने का अवसर दिया है। इसके लिए वाहन मालिकों को पांच मई तक अपने नजदीकी यातायात थाने में अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

- लोक अदालत में निराकरण नहीं कराने पर गाड़ी होगी जब्त

यातायात पुलिस के अनुसार, 31 दिसंबर के पूर्व जिन वाहन स्वामियों ने अपने ई-चालान का भुगतान अब तक नहीं किया है और जिन प्रकरणों को न्यायालय में स्थानांतरित किया जा चुका है, उन्हें लोक अदालत में रखकर सरल तरीके से निपटाया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह मौका सीमित समय के लिए है, जिसके बाद कार्रवाई और सख्त हो सकती है। ट्रैफिक डीसीपी विकास कुमार ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि लोक अदालत के बाद भी यदि कोई प्रकरण लंबित पाया जाता है तो संबंधित वाहन को जब्त कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। ऐसे में वाहन स्वामियों को समय रहते कार्रवाई पूरी करने की सलाह दी गई है।

रजिस्ट्रेशन जरूरी, तभी होगा निराकरण

लोक अदालत में प्रकरण प्रस्तुत करने के लिए पहले संबंधित यातायात थाने में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। बिना रजिस्ट्रेशन के किसी भी मामले को लोक अदालत में शामिल नहीं किया जाएगा। वाहन मालिक शहर के नौ यातायात थाना तेलीबांधा, भाठागांव बस स्टैंड, शारदा चौक, फाफाडीह, भनपुरी, टाटीबंध, पंडरी, पचपेड़ीनाका और यातायात मुख्यालय कालीबाड़ी में जाकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

नकली दवा, निलंबित अफसर पर कार्रवाई करने आज ज्ञापन

रायपुर। नकली दवाओं के गंभीर प्रकरण में निलंबित औषधि नियंत्रक संजय नेताम की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एनएसयूआई शनिवार को पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपेगी। जिला अध्यक्ष शांतनु झा ने बताया कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। नेताम आरोपियों के साथ संदिग्ध परिस्थितियों में कैमरे में कैद हुए थे। इस मामले में शासन द्वारा निलंबित किया जाना यह स्पष्ट करता है कि उनकी भूमिका संदिग्ध एवं संभावित रूप से संलिप्त है। इसके बावजूद अब तक उनके खिलाफ आपराधिक स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं होना गंभीर सवाल खड़ा होता है। मामले में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होने पर एनएसयूआई ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

प्रदेश के सिर्फ एक जिले से उठ पाया धान, अभी भी सवा चार लाख टन जमा है उपार्जन केंद्रों में, सूखत का खतरा बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पिछले साल नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के बाद से लेकर इस साल अप्रैल का आधा महीना गुजरने के बाद भी उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव नहीं हो पाया है। हालत ये है कि राज्य के 33 में से केवल एक जिले का ही पूरा धान उठ पाया है। इधर मौसम की तपिश बढ़कर 40 सेंटीग्रेड से उपर तक जा पहुंची है, जाहिर है भीषण गरमी से धान सूखने से वजन कम होगा और उसकी भरपाई सोसाइटी प्रबंधकों के जिम्मे होगी।

राज्य में पिछले साल 15 नवंबर से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हुई थी, जो जनवरी 2026 तक जारी रही। कायदे से खरीदी पूरी होने के बाद या उसके बाद के दिनों तक पूरा धान उपार्जन केंद्रों से उठा लिया जाना था, लेकिन सरकार और प्रशासन यह काम अब तक पूरा नहीं कर पाया है। सरकार ने 141 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा था, लेकिन इस धान में से सवा चार लाख मीट्रिक टन धान अब भी राज्य के 32 जिलों के उपार्जन केंद्रों में जमा है। केवल कोरबा जिले से ही पूरा धान उठाया जा सका है।

राज्य के 32 जिलों की सोसाइटियों में जमा है धान

सैकड़ों सोसाइटियों में अभी हिसाब पूरा होना है बाकी

फाइल फोटो

सूखत के आंकड़े सामने आने लगे

इधर राज्य के उपार्जन केंद्रों में धान का हिसाब-किताब निकालने की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। हरिभूमि को मिली जानकारी के अनुसार रायपुर जिले के अभनपुर और आरंग क्षेत्र की कई सोसाइटियों में धान की मात्रा में कमी की जानकारी सामने आई है। इसी क्रम में धमतरी जिले की सोसाइटियों में करीब 3 हजार क्विंटल धान का शार्टेज सामने आ चुका है। बताया गया है कि कई सोसाइटियां अभी भी कह रही हैं कि उनके यहां धान का स्टॉक है, इस पूरा धान का परिवहन होने के बाद हिसाब-किताब करना चाहिए। यह भी पता लगा है कि सरकार ने अतिशेष धान की नीलामी करनी है, इसलिए भी उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव फिलहाल रोक दिया गया है, नीलामी होने के बाद खरीदार खुद धान उठाकर ले जाएंगे।

सूखत का खतरा प्रबंधकों के सिर

इधर राज्य में सोसाइटियों के प्रबंधकों और धान खरीदी के प्रभारियों की चिंता इस बात को लेकर बढ़ती जा रही है कि धान में सूखत या शार्टेज की कीमत उनसे वसूली जाएगी। पिछले वर्ष भी यह देखा गया कि जिन सोसाइटियों में शार्टेज आया है, वहां डीएमओ ने निर्देश दिए कि प्रबंधक या खरीदी प्रभारी शार्टेज का बराबर धान जमा कराएं, या उसकी कीमत अदा करे, यह दोनों काम न करने वालों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर करवाई गई थी। कई सोसाइटियों के लोगों को फरार होने की नौबत भी आई, यह मामला फिलहाल बिलासपुर हाईकोर्ट में लंबित है। इसी प्रकार की नौबत एक बार फिर 2025-26 के खरीफ सीजन में बनती नजर आ रही है।

अमलीडीह एक्सप्रेस-वे पर सर्विस रोड की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रेलवे स्टेशन से केंद्री नवा रायपुर तक आवागमन के लिए 12 किमी तक एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया गया है, जो वर्तमान में रायपुर के नागरिकों के लिए आवाजाही का प्रमुख मार्ग बन गया है। 12 किमी के एक्सप्रेस-वे में रेलवे स्टेशन, फाफाडीह, देवेंद्र नगर, पंडरी, शंकर नगर और तेलीबांधा में फ्लाईओवर के साथ-साथ लोगों को एक्सप्रेस-वे में चढ़ने-उतरने के लिये सर्विस रोड की सुविधा मुहैया कराई गई है, किंतु अमलीडीह में सिर्फ फ्लाईओवर बनाया गया है, सर्विस रोड का निर्माण नहीं किया गया है।

स्थानीय निवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल में रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू, ला-विस्टा के अध्यक्ष विजय मंगवानी, सचिव राजीवलोचन तिवारी, खुशी वाटिका अमलीडीह के अंकित सिंह राणा, मंडल अध्यक्ष मेघू साहू, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र धुरंधर, ला-विस्टा अमलीडीह निवासी कीर्ति व्यास शामिल रहे। विधायक श्री साहू ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को ज्ञापन के माध्यम से जानकारी दी कि अमलीडीह, महावीर नगर, राजेंद्र नगर एवं न्यू राजेंद्र नगर की लगभग ढेढ़ से दो लाख की आबादी एक्सप्रेस-वे का उपयोग नहीं कर पा रही है, जिसके कारण यहां के लोगों को रेलवे स्टेशन, देवेंद्र नगर, शंकर नगर, फाफाडीह, उरला इंडस्ट्रियल क्षेत्र, शहर के अंदर आने-जाने एयरपोर्ट एवं नवा रायपुर आने-जाने के लिए वीआईपी रोड का उपयोग करना पड़ता है, जिसके कारण सुबह और शाम वीआईपी चौराहे, श्रीराम मंदिर के पास तथा फुंडहर चौक पर यातायात का दबाव बहुत अधिक होता है और आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने जल्द ही इसका समाधान करने का आश्वासन दिया है। विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि अमलीडीह निवासियों को एक्सप्रेस-वे से आने-जाने के लिए तीन तरफ सड़कें उपलब्ध हैं, जिसे तत्काल शुरू करना चाहिए एवं आम जनता की सुविधानुसार खुशी एनक्लेव के पास सरकार को जमीन का अधिग्रहण करना चाहिए।

विस अध्यक्ष डॉ. रमन को कॉलोनीवासियों ने सौंपा ज्ञापन

अंडरपास की ऊंचाई काफी कम

कीर्ति व्यास ने बताया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार में इसके निर्माण के लिए ठेका भी दे दिया गया था तथा नाली का निर्माण भी पूरा हो गया था, किंतु सर्विस रोड पर एंट्री नहीं देने के मुद्दे पर अचानक काम रोक दिया गया। श्री व्यास ने बताया कि पूर्व में दो फर्मों को नगर निगम द्वारा एंट्री दी जा चुकी है। बंद की हुई सड़क आज तक उसी स्थिति में है, जो निजी जमीन पर बनी हुई है, जिसे यहां के स्थानीय निवासियों ने खर्च कर आने-जाने के लायक बनाया है। श्री व्यास ने एक और जानकारी दी है कि अमलीडीह फ्लाईओवर के नीचे बना हुआ अंडरपास भी तकनीकी आधार पर गलत बना है, क्योंकि उसकी ऊंचाई इतनी कम है कि यहां से अग्निशमन की गाड़ी पार नहीं हो सकती, लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। इस मार्ग पर दिनभर में लगभग 25-30 स्कूल बसें, 300-400 चौपहिया एवं सैकड़ों दोपहिया वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। यहां के निवासी पिछले कई वर्षों से इस परेशानी का सामना कर रहे हैं, जिसके कारण समय एवं ईंधन की बर्बादी हो रही है।